दैनिक बुद्ध का संदेश

हिन्दी समाचार पत्र

एक विश्वास....

लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महराजगंज, रामपुर, रायबरेली, सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित ।

सम्पादक : राजेश शर्मा

सिद्धार्थनगर
बुधवार, 10 सितंबर 2025
वर्ष: 12 अंक : 270 पृष्ठ: 8
आमंत्रण मूल्य 2/–रुपया

उर्मिला मातोंडकर ने रंगीला के 30 ...8

दैनिक बुद्ध का संदेश 8795951917, 9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com

उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

ओली का इस्तीफा स्वीकार, कौन हैं रैपर से नेता बने बालेंद्र शाह, जिसे सत्ता सौंपने की मांग कर रहे नेपाल के जेन जेड आंदोलनकारी

काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने कथित भ्रष्टाचार को लेकर काठमांडू में हिंसक विरोध प्रदर्शन के बीच इस्तीफा दे दिया। नेपाल के राष्ट्रपति राम चंद्र पौडेल ने प्रधानमंत्री पद से केपी. शर्मा ओली का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। राष्ट्रपति के एक सहयोगी ने यह जानकारी दी। अब काठमांडू के मेयर बालेन्द्र शाह, जिन्हें लोग बालेन शाह कहते हैं नए प्रधानमंत्री के चेहरे के तौर पर चर्चा में हैं। 33 वर्षीय मेयर बालेन शाह ने सोशल मीडिया पर युवाओं का समर्थन किया। उन्होंने लिखा कि वे पूरी तरह युवाओं के साथ खड़े हैं और नेताओं को चेतावनी दी कि इस आंदोलन का राजनीतिक फायदा न उठाएं। उनकी यह बात युवाओं को पसंद आई और वे उन्हें एक नए विकल्प के रूप में देखने लगे हैं। नेपाली प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के अपने पद से इस्तीफा देने से कुछ मिनट पहले, जेनरेशन जेड के प्रदर्शनकारियों ने संसद में घुसकर परिसर की एक इमारत में आग लगा दी। प्रदर्शनकारियों ने भक्तपुर के बालकोट क्षेत्र में ओली के आवास और अन्य वरिष्ठ नेताओं के घरों में भी आग लगा दी। सोशल मीडिया पर प्रतिबंध हटा लिए जाने के बाद से यह विरोध प्रदर्शन जारी है। तस्वीरों में नजर आया कि जब इमारत में आग लगी हुई थी, तब भी हजारों प्रदर्शनकारी नारे लगाते हुए और झंडे लहराते हुए संसद की ओर मार्च करते रहे। प्रदर्शनकारियों ने सिंह दरबार परिसर के पश्चिमी द्वार को तोड़कर उसमें भी प्रवेश किया। बताया जा रहा है कि उन्होंने द्वार को आग लगा दी और नेपाल के केंद्रीय प्रशासनिक परिसर में जबरन घुस गए। पूर्व गृह मंत्री रमेश लेखक के नाइकाप स्थित आवास को भी आग लगा दी गई थी, जिसके ठीक एक दिन पहले उन्होंने फेसबुक, व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम और यूट्यूब सहित 26 सोशल मीडिया साइटों पर प्रतिबंध के खिलाफ आंदोलन कर रहे युवा प्रदर्शनकारियों पर पुलिस द्वारा बल प्रयोग किए जाने के बाद पद से इस्तीफा दे दिया था। विरोध प्रदर्शनों में अब तक 19 लोग मारे गए हैं और 300 से ज्यादा घायल हुए हैं। इस बीच, अधिकारियों ने बताया कि सरकार विरोधी प्रदर्शनों के बढ़ते दबाव के बीच ओली ने प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। उनका इस्तीफा सैकड़ों प्रदर्शनकारियों द्वारा सरकार विरोधी नारे लगाते हुए उनके कार्यालय में घुसने के कुछ ही देर बाद आया।

एनडीए उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन बनेंगे देश के नए उपराष्ट्रपति

विपक्ष के सुदर्शन रेड्डी को हराया

नई दिल्ली। देश के नए उपराष्ट्रपति होंगे सीपी राधाकृष्णन होंगे। उन्होंने उपराष्ट्रपति चुनाव में अपने निकटतम प्रतिद्वंदी बी सुदर्शन रेड्डी को हराया है। सीपी राधाकृष्णन को 452 वोट हासिल हुए जबकि बी सुदर्शन रेड्डी को 300 वोट मिले। भारत के उपराष्ट्रपति के महत्वपूर्ण पद पर चुनाव इसलिए हुआ क्योंकि पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ द्वारा स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए इस्तीफा दे दिया था। सत्तारूढ़ एनडीए ने सीपी राधाकृष्णन को उम्मीदवार बनाया था जबकि विपक्ष ने सुदर्शन रेड्डी पर भरोसा जताया था। राज्यसभा के महासचिव पीसी मोदी ने कहा कि एनडीए उम्मीदवार और महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी. राधाकृष्णन को प्रथम वरीयता के 452 वोट मिले। उन्हें भारत का उपराष्ट्रपति चुना गया है। विपक्ष के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार न्यायमूर्ति सुदर्शन रेड्डी को प्रथम वरीयता के 300 वोट मिले।

पीएम मोदी ने हिमाचल बाढ़ का हवाई जायजा लिया, बोले- राहत में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे

हिमाचल प्रदेश के लिए 1500 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता की घोषणा की

शिमला। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा से बाढ़ और भूस्खलन प्रभावित मंडी और कुल्लु जिलों का हवाई सर्वेक्षण किया और भारी मानसूनी बारिश से हुई तबाही का जायजा लिया। इससे पहले, प्रधानमंत्री मोदी ने एनडीए के सीपी राधाकृष्णन और इंडिया ब्लॉक के बी सुदर्शन रेड्डी के बीच उपराष्ट्रपति चुनाव में मतदान किया था। नरेन्द्र मोदी ने हिमाचल प्रदेश में बाढ़ से प्रभावित लोगों से बातचीत की। इसके अलावा हिमाचल प्रदेश में बाढ़ की स्थिति का आकलन करते हुए मोदी ने एनडीआरएफ और एसडीआरएफ कर्मियों के साथ बातचीत की। प्रधानमंत्री कार्यालय ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी ने हिमाचल प्रदेश के लिए 1500 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता की घोषणा की। एसडीआरएफ और प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की दूसरी किस्त अग्रिम रूप से जारी की जाएगी। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत स्वीकृतियाँ, राष्ट्रीय राजमार्गों का जीर्णोद्धार, प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष के तहत राहत का प्रावधान और पशुधन के लिए मिनी किट जारी करने का काम भी किया जाएगा। नरेंद्र मोदी ने बाढ़ और प्राकृतिक आपदा में मृतकों के परिजनों को 2 लाख रुपये और गंभीर रूप से घायलों को 50,000 रुपये की अनुग्रह राशि देने की भी घोषणा की। हिमाचल प्रदेश में बाढ़ की स्थिति पर एक प्रेजेंटेशन देखते हुए नरेंद्र मोदी। राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला और मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू भी उनके साथ रहे। बाद में मोदी ने एक्स पर लिखा कि हिमाचल प्रदेश में भारी बाढ़ और लैंडस्लाइड से प्रभावित कुछ लोगों से बातचीत की। उनकी पीड़ा के साथ ही त्रासदी से हुआ नुकसान मन को व्यथित करने वाला है। खराब मौसम का संकट झेल रहे हर व्यक्ति तक राहत और सहायता पहुंचे, इसके लिए हम पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने लिखा कि हवाई सर्वेक्षण के जरिए हिमाचल प्रदेश में बाढ़ और लैंडस्लाइड की स्थिति का जायजा लिया। इस कठिन समय में हम प्रदेश के अपने भाई–बहनों के साथ पूरी मजबूती से खड़े हैं। इसके साथ ही प्रभावित लोगों की मदद के लिए कोई कोर–कसर नहीं छोड़ रहे हैं। इससे पहले हिमाचल प्रदेश के लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने मंगलवार को राज्य के आपदा प्रभावित क्षेत्रों में उपयोग के लिए 38 वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने आशा व्यक्त की कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आज का राज्य दौरा राहत और बहाली कार्यों में पूर्ण सहयोग

पूर्व पीएम की पत्नी को जिंदा जलाया, पूरे नेपाल में इमरजेंसी!

काठमांडू। नेपाल में भ्रष्टाचार के खिलाफ जेनरेशन जेड के नेतृत्व में देशव्यापी विरोध प्रदर्शन दूसरे दिन भी जारी रहा, जिसके बीच प्रदर्शनकारियों ने मंगलवार सुबह ललितपुर के सुनाकोठी स्थित संचार सूचना एवं प्रौद्योगिकी मंत्री पृथ्वी सुब्बा गुरुंग के निजी आवास में आग लगा दी। द हिमालयन टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि भारत नेपाल के घटनाक्रम पर कड़ी नजर रख रहा है और विरोध प्रदर्शनों में हुई मौतों पर शोक व्यक्त करता है। सोशल मीडिया पर प्रतिबंध के विरोध में काठमांडू और नेपाल के अन्य हिस्सों में हुए जेन जेड़ विरोध प्रदर्शनों में कम से कम 19 लोग मारे गए और 200 से ज्यादा घायल हुए। सरकार ने कल देर रात प्रतिबंध हटा लिया। नेपाल में प्रदर्शनकारियों ने पूर्व प्रधानमंत्री झालानाथ खनल के घर में आग लगा दी। प्रदर्शनकारियों ने जब पूर्व पीएम के घर में आग लगाई तो खनल की पत्नी राज्यलक्ष्मी चित्रकार अंदर मौजूद थीं। उन्हें गंभीर रूप से जलने के बाद कीर्तिपुर बर्न अस्पताल ले जाया गया। पारिवारिक सूत्रों के अनुसार उनकी हालत गंभीर है उनके शरीर के कई हिस्से जल गए हैं और उनके फेफड़े को गंभीर नुकसान पहुँचा है।

पीएम मोदी के 1500 करोड़ राहत के बीच हिमाचल सीएम की चिंता: नुकसान 12,000 करोड़, चाहिए विशेष पैकेज

शिमला। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आपदा प्रभावित राज्य के दौरे पर हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खु ने कहा कि राज्य के मुख्य सचिव ने प्रधानमंत्री, भाजपा सांसदों, हमारे राज्य के मंत्रियों और विधायकों के समक्ष राज्य की वर्तमान स्थिति पर एक प्रस्तुति दी। हमने प्रधानमंत्री से कहा कि यदि आपदा प्रभावित परिवारों को बचाना है, तो वन कानूनों में संशोधन करना होगा। राज्य की लगभग 68% भूमि वन भूमि के रूप में पंजीकृत है... हमने राज्य के लिए समय पर विशेष राहत पैकेज की मांग की है। सुखविंदर सिंह सुक्खु ने कहा कि प्रारंभिक अनुमान के अनुसार राज्य में 5000 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। यह बढ़कर 10,000–12,000 करोड़ रुपये तक पहुँच सकता है। प्रधानमंत्री ने राज्य को 1500 करोड़ रुपये की सहायता का आश्वासन दिया है। भाजपा नेता और पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने कहा कि मैं हिमाचल प्रदेश के लोगों के लिए 1500 करोड़ रुपये की घोषणा करने के लिए प्रधानमंत्री मोदी का आभार व्यक्त करता हूँ। इससे प्रभावित परिवारों को मदद मिलेगी और राज्य का पुनर्निर्माण होगा। प्रधानमंत्री ने आपदा प्रभावित परिवारों से बात की और उन्हें मदद का आश्वासन दिया। भाजपा सांसद कंगना रनौत ने कहा कि पीएम मोदी ने राज्य का हवाई सर्वेक्षण किया। इसके बाद पीएम को प्रत्येक जिले की स्थिति का जायजा लेने का मौका दिया

नेपाल में हिंसा के बीच ममता का सीमावर्ती जिलों को निर्देश: शांति रखें, दखल न दें

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को नेपाल सीमा से सटे जिलों से शांति बनाए रखने और पड़ोसी देश में जेनरेशन' के विरोध प्रदर्शनों में हस्तक्षेप न करने का आग्रह किया। मीडिया से बात करते हुए, मुख्यमंत्री बनर्जी ने सीमावर्ती जिलों से आग्रह करते हुए कहा कि यह उनका मामला नहीं है और इस पर निर्णय लेने का अधिकार केवल नेपाल को है। उन्होंने कहा कि (नेपाल के साथ) सीमा से सटे हमारे जिलों से मेरा अनुरोध है कि कृपया शांति बनाए रखें और सुनिश्चित करें कि किसी को कोई परेशानी न हो, क्योंकि यह हमारा मामला नहीं है। नेपाल को अपने आंतरिक मामले पर निर्णय लेने दें, हालांकि हम उनसे प्यार करते हैं। हमें इसमें हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए। मुख्यमंत्री ममता ने कहा कि नेपाल मेरा देश नहीं है, यह एक विदेशी देश है, इसलिए मैं इस पर टिप्पणी नहीं कर सकती। भारत सरकार इस पर टिप्पणी करेगी। लेकिन यह हमारा पड़ोसी देश है, और हम नेपाल, श्रीलंका, बांग्लादेश, भूटान और सभी सीमावर्ती देशों से प्यार करते हैं। हालांकि, मौजूदा हालात को देखते हुए, अगर भारत सरकार हमें कुछ भी बताती है, तो हम उसके अनुसार प्रतिक्रिया दे सकते हैं। अन्यथा, इस मामले को भारत सरकार को देखना होगा। यह नेपाल में प्रधानमंत्री के.पी. ओली के इस्तीफे के बाद बढ़ती अशांति के मद्देनजर आया है, जिसके चलते देशभर में दूसरे दिन भी हिंसक विरोध प्रदर्शन जारी है।

नेपाल सीमा से सटे यूपी के जिलों में हाई अलर्ट, सीएम योगी ने दिए 24 घंटे कड़ी निगरानी के कनर्देश

लखनऊ। नेपाल में असामान्य व संवेदनशील परिस्थितियों को देखते हुए सीमावर्ती जिलों में हाई अलर्ट घोषित कर हर आने–जाने वाले पर कड़ी नजर रखने का निर्देश दिया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नेपाल सीमा से सटे जिलों में 24 घंटे कड़ी निगरानी किए जाने के साथ ही सुरक्षा प्रबंध और पुख्ता किए जाने का निर्देश दिया है। डीजीपी राजीव कृष्णा ने बताया कि सीमावर्ती जिलों में अतिरिक्त पुलिस व पीएसी की तैनाती की गई है। वरिष्ठ अधिकारियों को अपने नेतृत्व में गश्त कराए जाने का निर्देश दिया गया है। ताकि किसी आपात स्थिति से तत्काल निपटा जा सके। इसके साथ ही नेपाल में फंसे भारतीयों की मदद के लिए विशेष प्रबंध किए गए हैं। एडीजी कानून–व्यवस्था अमिताभ यश के अधीन विशेष नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है। कानून–व्यवस्था शाखा में स्थापित कंट्रोल रूम के तीन हेल्पलाइन नंबर व एक व्हाट्सएप नंबर जारी किया गया है। यह नंबर 24 घंटे काम करेंगे।

जम्हूरियत पर लोगों का भरोसा प्रभावित होगा

आप विधायक मेहराज मलिक पर पीएसए को लेकर बोले उमर अब्दुल्ला

श्रीनगर। जम्मू–कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने मंगलवार को आम आदमी पार्टी (आप) के एकमात्र विधायक मेहराज मलिक को कड़े जन सुरक्षा अधिनियम (पीएसए) के तहत हिरासत में लिए जाने की निंदा करते हुए कहा कि विधायक की नजरबंदी लोकतंत्र में लोगों के विश्वास को प्रभावित करती है। हजरतबल दरगाह विवाद का जिक्र करते हुए, अब्दुल्ला ने शिकायत की कि केवल निर्दोष लोगों को परेशान किया जा रहा है जबकि उनकी धार्मिक भावनाओं से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। अब्दुल्ला ने यहाँ संवाददाताओं से कहा कि मुझे समझ नहीं आ रहा है कि उन्होंने पीएसए जैसे सख्त कानून के तहत हिरासत में लिए जाने के लिए क्या किया? क्या कोई पथराव की घटना हुई थी? इसके विपरीत, हमारी धार्मिक भावनाओं से खिलवाड़ करने वालों और हजरतबल दरगाह पर माहौल खराब करने वालों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। केवल निर्दोष लोगों को परेशान किया जा रहा है। लेकिन हमारी धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुँचाने वालों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। विधायक पर पीएसए के तहत मामला दर्ज करने से जम्हूरियत (लोकतंत्र) में लोगों का विश्वास प्रभावित होगा।

डोडा विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले मलिक पर सोमवार को जम्मू–कश्मीर लोक सुरक्षा अधिनियम 1978 (पीएसए) के प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया था। इस आधार पर कि उनकी गतिविधियाँ लोक व्यवस्था बनाए रखने के लिए हानिकारक हैं, उन पर मामला दर्ज किया गया था।

चारा घोटाले के दोषी से मिल नैतिकता की बात!

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह का रेड्डी पर तीखा हमला

पटना। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने मंगलवार को विपक्ष के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार न्यायमूर्ति बी. सुदर्शन रेड्डी द्वारा चारा घोटाले के दोषी और राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव से मुलाकात करने पर तंज कसा। गिरिराज सिंह ने घोटाले में दोषी ठहराए गए व्यक्ति से मुलाकात के दौरान नैतिकता की बात करने के लिए सुदर्शन रेड्डी की आलोचना की। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि हमें चुनाव जीतने का पूरा भरोसा है। विपक्ष के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार बी. सुदर्शन रेड्डी, जो एक पूर्व न्यायाधीश हैं ने चारा घोटाले में दोषी ठहराए गए राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव से मुलाकात की और वह नैतिकता की बात कर रहे हैं।

इस मुलाकात से राजनीतिक विवाद छिड़ गया था और भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने सोमवार को इसकी कड़ी निंदा की। नई दिल्ली में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए भाजपा सांसद ने कहा, सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश सुदर्शन रेड्डी उपराष्ट्रपति पद के लिए विपक्ष के उम्मीदवार हैं। हम आज भी न्यायाधीशों का बहुत सम्मान करते हैं, चाहे वे वर्तमान न्यायाधीश हों या सेवानिवृत्त। लेकिन जब कोई न्यायाधीश चुनाव में खड़ा होकर कुछ बड़ी बातें कहता है, तो सवाल तो उठेंगे ही। लालू प्रसाद से मुलाकात के लिए रेड्डी पर निशाना साधते हुए उन्होंने पूछा, आप सुप्रीम कोर्ट के किस तरह के सेवानिवृत्त न्यायाधीश हैं कि आप किसी ऐसे व्यक्ति से मिल रहे हैं जो घोटाले का दोषी है? और लालू प्रसाद तो मतदाता भी नहीं हैं और न ही सांसद, तो फिर आप राष्ट्र की आत्मा की प्रशंसा करने की बात क्यों कर रहे हैं? यह पाखंड है।

बीआरसी शोहरतगढ़ पर पांच दिवसीय एफएलएन प्रशिक्षण शुरू

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। ब्लॉक संसाधन केन्द्र शोहरतगढ़ में मंगलवार को बुनियादी भाषा एवं संख्यानात्मक ज्ञान (एफएलएन) तथा एनसीईआरटी पाठ पुस्तकों पर आधारित पांच दिवसीय प्रशिक्षण का शुभारम्भ हुआ। प्रशिक्षण में विभिन्न विद्यालयों से प्रतिभाग कर रहे शिक्षकों को प्रशिक्षकों द्वारा पहले दिन बुनियादी साक्षरता, एनइपी 2020 गणित मेला आधारित जानकारी साझा की गई। प्रशिक्षक प्रवीण कुमार यादव, सत्येन्द्र, आनन्द प्रकाश गौड़, रोबिन व मनोज यादव ने बुनियादी शिक्षा के अन्तर्गत भाषा एवं संख्या ज्ञान के बारे में जानकारी को शिक्षकों के बीच साझा किया। खण्ड शिक्षा अधिकारी शोहरतगढ़ संजय कुमार ने मां सरस्वती के चित्र पर माला पहनाकर दो अलग-अलग कमरों में 50-50 की संख्या में बैच के शिक्षकों का प्रशिक्षण शुभारम्भ किया। प्रार्थना व प्रेरणा गीत से प्रशिक्षण सत्र कार्यक्रम को आगे बढ़ाया गया। प्रशिक्षण में प्रतिभागी प्रदीप मणि त्रिपाठी, अमित कुमार लोरिक यादव, अर्चना गुप्ता, चेतन मणि त्रिपाठी, धनुषधारी मिश्रा, धीरेन्द्र कुमार, जितेन्द्र कुमार, कविता यादव, प्रमोद त्रिपाठी, मीनू पाण्डेय, लाल बहादुर, लवकुश पाण्डेय, कल्पना रावत, मोहम्मद जावेद, मनमोहन, निर्मला पाल, प्रभु दयाल, पिन्टू कुमार, विनीता कुमारी पाठक, राजीवधर द्विवेदी, रजनीश सिंह, राम सिंह, राम बहादुर, रमाशंकर, रोहिणी चौधरी, सजन लाल, सरोज रानी शुक्ला, शशि किरण सिंह, सुनीता पटेल, विजय बहादुर व ब्लॉक क्वॉलिटी कोआर्डिनेटर आशिक रजा खान, ब्लॉक एमआईएम अम्बरीश कुमार विनोद कुमार आदि मौजूद रहें।

नेपाल सीमा के कस्बा अलीगढ़वा में जलभराव, से गंदगी

दैनिक बुद्ध का संदेश

कपिलवस्तु/सिद्धार्थनगर। क्षेत्र के बर्डपुर नंबर एक कस्बा अलीगढ़वा में अतिक्रमण हटा, प्रशासन ने सड़क चौड़ीकरण कराया। नाली निर्माण कराया गया कि कस्बे की गंदगी खत्म हो सके लेकिन नाली निर्माण ऊंचाई पर किए जाने से सड़क का पानी नहीं निकल पा रहा है जिससे दुकान के सामने पानी जमा हो जाता है। हल्की बरसात ही व्यवस्था की पोल खोल दे रही है। मंगलवार को आधे घंटे की बारिश ने सड़क किनारे गंदे पानी का जलभराव हो गया स्कूली छात्राएं पानी में चल कर आने जाने को मजबूर है मंदिर के पास गंदा पानी के भराव होने से मंदिर आने वाले भक्तों को दिक्कत होती है। पानी की निकासी अधूरी नाली निर्माण भी बताया जा रहा है। व्यापार मंडल अध्यक्ष शाहबाज आलम, इश्तियाक अहमद, आर्यन कसौधन, गुड्डू निसार अहमद, रामकृ पाल वर्मा, मो मुस्तकीम, आदि ने कहा अधूरी नाली निर्माण व गलियों में बनी अव्यवस्थित सड़क से पानी निकासी नहीं हो पाती है इसकी साफ सफाई पानी की निकासी की सुचारू व्यवस्था विभाग को करने की जरूरत है।

ग्रामीणों को मधुमक्खी पालन के बारे में दिया गया प्रशिक्षण

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। सशस्त्र सीमा बल 43वीं वाहिनी की सीमा चौकी लोहटी में मधुमक्खी पालन पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। सीमा चौकी लोहटी के निरीक्षक राम प्रताप सिंह के नेतृत्व में आरमी अभिनाद भारती के सहयोग से आयोजित कार्यशाला में सीमावर्ती ग्रामीणों को वैज्ञानिक तकनीक से मधुमक्खी पालन के बारे में प्रशिक्षित किया गया। ग्रामीण युवाओं को बताया गया कि किस तरीके से मधुमक्खी पालन कर स्वनिर्भर बना जा सकता है। प्रशिक्षण प्राप्ति के पश्चात सीमावर्ती ग्रामीण इसे लघु व्यवसाय के रूप में अपना कर रोजगार के अवसर का निर्माण कर सकते है। उक्त प्रशिक्षण में सीमाई क्षेत्र के कुल 17 ग्रामीण सहभागी हुए।

पूर्व प्रधान के घर चोरों ने मचाया ताण्डव, जेवरात सहित नगदी चोरी

दैनिक बुद्ध का संदेश

पकड़ी/सिद्धार्थनगर। थाना क्षेत्र उसका बाजार के पकड़ी के परसा शुकुल्लाह में एक घर में चोरों ने बड़ी चोरी की घटना को अंजाम दिया है। चोरों ने पीड़ित के घर को खंगाल कर उसे कंगाल कर दिया। पूर्व प्रधान चांद खान के घर हुई चोरी में जेवरात सहित नगद रुपया लेकर चोर फरार हो गये। पुलिस बूथ से थोड़ी दूर पर स्थित घर का ताला तोड़कर हुई चोरी की घटना को चोरों का बढ़ता आतंक बताया जा रहा है। पीड़ित ने उसका बाजार थाना पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मामले की छानबीन में जुटी है।

लेप्रोस्कोपिक सर्जरी फैलोशिप से नवाजे गये डॉक्टर नसीम अहमद खान और डॉक्टर तरन्नुम नसीम

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। नगर पंचायत शोहरतगढ़ में पिछले दिनों अशरफ मेमोरियल हॉस्पिटल शोहरतगढ़ के डॉक्टर नसीम अहमद खान और डॉक्टर तरन्नुम नसीम को इन्टरनेशनल कॉलेज ऑफ लैप्रोस्कोपिक सर्जन्स द्वारा प्रतिष्ठित (एफसीएलएस) फेलोशिप से नवाजा गया। दिल्ली में आयोजित इस अन्तर्राष्ट्रीय कार्यक्रम में देश-दुनिया से आये हुए कुल 109 लोगो को यह सम्मान मिला, जिसमें अपने जनपद का मान बढ़ाते हुए डॉक्टर नसीम अहमद खान और डॉक्टर तरन्नुम नसीम को भी इस फेलोशिप से सम्मानित किया गया। आपको बता दें कि डॉक्टर नसीम अहमद खान के पिता स्वर्गीय डॉक्टर अशरफ खान भी जनपद के जाने-माने चिकित्सक थे। उन्हीं की याद में शोहरतगढ़ में डॉक्टर नसीम ने अशरफ मेमोरियल हॉस्पिटल खोला है। डा0 नसीम अहमद खान और डा0 तरन्नुम नसीम अब तक हजारों लेप्रोस्कोपिक सर्जरी सफलतापूर्वक कर चुके हैं।

अपना दल (एस) जनपद सिद्धार्थनगर की मासिक बैठक हुई सम्पन्न, बनाया 10 सक्रिय सदस्य

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। अपना दल (एस) जनपद सिद्धार्थनगर की मासिक बैठक रविवार को पार्टी कार्यालय पर जिलाध्यक्ष श्याम सुन्दर चौधरी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। बैठक में विधानसभा शोहरतगढ़ की कमेटी, जोन कमेटी के साथ ही मंचों की कमेटियों की घोषणा की गयी। वहीं दिनांक 02-09-2025 को पार्टी की लखनऊ में समीक्षा बैठक में दिये गये निर्देशों के अनुसार जनपद में प्रत्येक माह विधानसभा की प्रत्येक माह निर्धारित बैठक दिनांक 10 को और जोन कमेटी की दिनांक 12 को कराया जाना आवश्यक है। जिसमें विधानसभाओं की बैठक में विधानसभा प्रभारियों द्वारा बैठक में भाग लिया जायेगा। अतः निर्णय लिया गया कि प्रत्येक माह की 10 तारीख को विधानसभा अध्यक्षों द्वारा अपनी विधानसभा में विधानसभा प्रभारियों के साथ बैठक करेंगे तथा बैठक की कार्यवाही तथा उपस्थित सदस्यों का हस्ताक्षर कराकर एवं बैठक में उपस्थित सदस्यों का फोटो उसी दिन जिलाध्यक्ष को भेजेंगे। शोहरतगढ़ विधानसभा कमेटी के अतिरिक्त चारों शेष विधानसभाओं की कमेटी, जोनों की कमेटी शीघ्र गठित किये जाने हेतु विचार विमर्श किया गया। इस दौरान जिलाध्यक्ष श्याम सुन्दर चौधरी, जिलाध्यक्ष युवा मंच विनय जायसवाल, मो0 तौकीर, मुख्तार शाह, अकबर अली, सहाय बाल्मिकी, अराजुन्निशा, विशाल गिरी, दिलीप चौधरी जिला महासचिव, राजू शाह, अंजली चौधरी, सुधा, अर्चना कुमारी सहित अन्य लोग उपस्थित रहें। आपको बता दें कि अपना दल (एस) के तेज तर्रार जिलाध्यक्ष श्याम सुन्दर चौधरी ने सोमवार को शोहरतगढ़ विधानसभा के सेमरी, कम्हरिया, भोपलापुर, पिपरी, तकियवा, बहुती, मेहदानी इटवा, पोखरभिटवा, माली, जिगिना आदि गावों में जनसम्पर्क करके 10 लोगो को सक्रिय सदस्य बनाया गया।

एसडीएम के नेतृत्व में हटाया गया अवैध कब्जा, जेसीबी से तोड़े गये अतिक्रमण

दैनिक बुद्ध का संदेश

ककरहवा/सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थनगर में ककरहवा बॉर्डर पर पर्यटकों के लिए स्वागत द्वार का निर्माण कार्य प्रारम्भ हुआ है। निर्माण स्थल पर कुछ मकानों का अवैध अतिक्रमण पाया गया था। प्रशासन ने पहले ही इन मकानों को चिन्हित कर खाली करने का आदेश दिया था। सोमवार को एसडीएम सदर कल्याण सिंह मौर्य के नेतृत्व में कार्रवाई की गई। जेसीबी की मदद से अवैध निर्माण को हटाया गया। कार्रवाई के दौरान नायब तहसीलदार विजय श्रीवास्तव और राजस्व निरीक्षक शीतल द्विवेदी मौजूद थे। सुरक्षा व्यवस्था के लिए सीओ सदर विश्वजीत सोरयान, एसएसबी निरीक्षक नीरज कुमार सिंह और मोहाना थानाध्यक्ष रोहित कुमार उपाध्याय के नेतृत्व में पुलिस बल तैनात रहा। ककरहवा चौकी प्रभारी वीरेन्द्र यादव भी मौके पर उपस्थित थे। कार्रवाई में लेखपाल शिवशंकर यादव, रवि पाण्डेय, शशांक, सौरभ, आनन्द और दुर्गेश सहित कई अधिकारी शामिल रहे।

कार्यालय : खण्ड विकास अधिकारी-नौगढ़ जनपद- सिद्धार्थनगर

ई-निविदा विज्ञप्ति

इस कार्यालय के पत्र संख्या-1255 दिनांक 30.08.2025 में आंशिक संशोधन करते हुए पुनःई-निविदा आमन्त्रण किये जाने हेतु तथा इस कार्यालय के पत्र संख्या-414 दिनांक 28.05.2025 द्वारा क्षेत्र पंचायत नौगढ़ के अन्तर्गत राज्य वित्त आयोग योजनान्तर्गत निर्माण कार्य कराये जाने हेतु ई-निविदा प्रकाशित कराया गया था परन्तु निविदा प्रक्रिया पूर्ण न होने की दशा में पुन विकास खण्ड नौगढ़ के अन्तर्गत पंजीकृत ठेकेदारों / लो०नि०वि० / सिंचाई विभाग / जिला पंचायत / ग्रा०अभि०विभाग एवं अन्य विभाग में पंजीकृत ठेकेदारों को सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित परियोजनाओं पर कार्य कराये जाने हेतु जिलाधिकारी महोदय, सिद्धार्थनगर के वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति के पश्चात् पंजीकृत ठेकेदारों से ई-निविदा आमंत्रित किया जाता है। उक्त ई-निविदा को दिनांक 01.09.2025 से 15.09.2025 तक अपरान्ह 1.00 बजे तक etender.up.nic.in पर निविदा डाली जा सकती है तथा बेवसाईट पर अपलोड की गई ई-निविदा का टेक्निकल बिड दिनांक 15.09.2025 को अपरान्ह 1.30 बजे तक इस कार्यालय में बन्द लिफाफे में जमा करना होगा। प्राप्त टेक्निकल बिडको दिनांक 15.09.2025 को अपरान्ह 2.00 निविदा समिति के समक्ष खोला जायेगा। टेक्निकल बिड में अर्हतापूर्ण करने वाले निविदादाताओं की फाइनेन्शियल बिड दिनांक 15.09.2025 को अपरान्ह 3.00 बजे तक उक्त समिति द्वारा खोली जायेगी।

क्र. सं.	कार्य का नाम	आगणन की धनराशि	निविदा की धनराशि (जी0एस0 टी0 छोड़कर)	2 प्रतिशत जमानत की राशि	टेण्डर फार्म मूल्य (जी0 एस0 टी0 स्टेशनरी चार्जेस सहित)	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	2	3	4	5	6	7
1	विकास खण्ड नौगढ़ के ग्राम पंचायत बसौनी में राज कीय उच्चतर माध्यमिक स्कूल की मरम्मत सहित रंगाई-पुताई कार्य।	39.51	33.48	66960.00	2300.00	90 दिन

नियम व शर्त

1- प्रत्येक कार्य को पूर्ण करने की अनुमन्य अवधि कालम (7) में दर्शायी गयी है।

2- निविदा के साथ 02 प्रतिशत धरोहर धनराशि जो कॉलम नं0-5 में तथा निविदा प्रपत्र शुल्क जो उक्त तालिका के कालम नं0-6 में अंकित है NEFT/RTGS खाता संख्या-3282358345 बैंक का नाम-सेन्ट्रल बैंक आफ इण्डिया, नौगढ़-सिद्धार्थनगर IFSC Code-CBIN0284479 में जमा या एन०एस०सी० / एफ०डी०आर० / अन्य सावधि जमा के माध्यम से खण्ड विकास अधिकारी के पदनाम से बंधक के रूप में जमा कर पुष्टि रसीद की स्कैन कॉपी निविदा के साथ सलग्न करना अनिवार्य होगा।

3- कार्य किसी अन्य को कदापि हस्तान्तरित नहीं किया जायेगा, निविदा स्वीकृत के बाद यदि हस्तान्तरित का स्थिति प्रकाश में आता है, तो अनुबन्ध निरस्त कर दिया जायेगा।

4- निविदा खोलने की कार्यवाही अधोहस्ताक्षरी के कक्ष में गठित समिति के सदस्यों के द्वारा निविदादाता अथवा उनके प्रतिनिधि के समक्ष खोली जायेगी।

5- निविदा स्वीकार करने की वैद्यता निविदा प्राप्त करने के तिथि से तीन माह (90) दिन होगा।

6- खण्ड विकास अधिकारी नौगढ़ द्वारा बिना कोई कारण बताये एवं बिना नोटिस दिये किसी भी निविदा को निरस्त करने का पूर्ण अधिकार सुरक्षित रहेगा।

7- अपूर्ण अथवा सही ढग से निविदा प्रपत्र न भरी हुई निविदाये स्वीकार नहीं किया जायेगा।

8- ख०वि०अ०नौगढ़ को विशेष परिस्थितियों में आवश्यकतानुसार दण्ड आरोपित करने अथवा बिना कोई दण्ड आरोपित किये समय वृद्धि करने का अधिकार होगा।

9- ठेकेदार को अवर अभियन्ता (ग्रा०अभि०वि०) के निदेशानुसार कार्य करना होगा। निर्माण कार्य का निरीक्षण ख०वि०अ० नौगढ़ के आदेशानुसार भुगतान बिल से कटौती किया जायेगा।

10- यह कि 02 प्रतिशत धरोहर राशि निविदा के साथ जमा की जायेगी। यदि ठेकेदार द्वारा पूर्ण जमानत धनराशि नहीं जमा किया जाता है तो निविदा अस्वीकृत कर दिया जायेगा।

11- कार्य समाप्ति अथवा अन्तिम भुगतान के छःमाह के पश्चात निर्माण कार्य हेतु जमानत धनराशि वापस कर दिया जायेगा तथा बजट के अभाव में कराये जाने वाले कार्य का भुगतान बजट आने पर ही किया जायेगा।

12- किसी विवाद की दशा मे ख०वि०अ०, नौगढ़का निर्णय अन्तिम एवं सर्वमान्य होगा। ख०वि० अ०के निर्णय के विपरीत किसी भी तरह का कोई वाद न्यायालय में नहीं लाया जायेगा।

13- ठेकेदार के बिल से शासन के निर्देशानुसार देय करों का नियमानुसार कटौती किया जायेगा जो ठेकेदार को मान्य होगा।

14- उपरोक्त निर्माण कार्यों का भुगतान क्षेत्र पंचायत के अन्तर्गत से प्राप्त धनराशि से किया जायेगा तथा कार्य स्वीकृत होने के उपरान्त बजट के सापेक्ष ही कार्यादेश निर्गत किया जायेगा।

15- निविदा के साथ निविदादाता को नियमानुसार 100.00 रुपये के स्टाम्प पेपर पर हस्ताक्षर एवं रसीदी टिकट लगाकर देना होगा।

16- स्टीमेट में कन्ट्रैक्टर प्राफिट के अतिरिक्त बिलो टेण्डर डालने पर ठीकेदार समिति के समक्ष उपस्थिति होकर स्पष्ट करना होगा कि किस प्रकार विशिष्टियों के अनुसार किस प्राकार कराये जायेगें समिति के संतुष्ट होने पर निविदा स्वीकृत किया जायेगा।

17- निविदा के साथ संलग्न 2 प्रतिशत धरोहर की राशि उपरोक्त खाते में जमा करना अनिविार्य होगा तथा बैंक चालान रसीद, शपथ पत्र, हैसियत प्रमाण-पत्र, चरित्र प्रमाण-पत्र, जी०एस०टी०, आयकर एवं अनुभव प्रमाण-पत्र की स्वप्रमाणित छायाप्रतिया आदि वॉछित अभिलेख दिनांक 15.09.2025 को अपरान्ह 1.30 बजे तक वॉछित प्रपत्र बन्द लिफाफें में क्षेत्र पचायत नौगढ़ कार्यालय में उपलब्ध कराना अनिवार्य है।

18- टेण्डर स्वीकार होने के एक सप्ताह के अन्दर 08 प्रतिशत जमानत जमा करके अनुबन्ध कराना अनिवार्य होगा।

19- ठेकेदार द्वारा अनुबन्ध कराने के उपरान्त ही कार्य प्रारम्भ कराया जायेगा। अनुबन्ध के पुर्व किया गया कार्य स्वतः श्रमदान घोषित हो जायकेगा।

खण्ड विकास अधिकारी
नौगढ़,
जनपद- सिद्धार्थनगर

पत्रांक 1256/2-लेखा/टेण्डर-सूचना/2025-2026 । दिनांक 01-09-25

साक्षरता की जागरूकता हेतु कार्यक्रम आयोजित

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। अन्तर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के अवसर पर जिला कारागार सिद्धार्थनगर में नवभारत साक्षरता कार्यक्रम पर आधारित एक प्रेरक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कारागार को शिक्षा और जागरूकता का केन्द्र बनाने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ बेसिक शिक्षा परिषद के जिला समन्वयक (सामुदायिक शिक्षा) अमित शुक्ला एवं डीसी प्रशिक्षण आशीष मिश्रा द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि जेल अधीक्षक सचिन वर्मा ने साक्षरता को व्यक्ति के आत्मविकास और समाज की मुख्यधारा से जुड़ने का सशक्त माध्यम बताते हुए कहा कि शिक्षा ही वह प्रकाश है, जो अज्ञानता और नकारात्मकता को दूर कर सकता है। उन्होंने इस पहल को कारागार सुधार की दिशा में एक मील का पत्थर बताया। इस अवसर पर डिप्टी जेलर मुकेश प्रकाश महेश सिंह ने साक्षरता को आत्मविश्वास और अनुशासन से जोड़ते हुए कहा कि शिक्षा व्यक्ति को सही दिशा देती है और बंदियों को समाजोपयोगी जीवन जीने के लिए प्रेरित करती है। वहीं वार्डर अभिषेक कुमार पाण्डे ने भी कार्यक्रम में सक्रिय भूमिका निभाई और बंदियों को साक्षरता अभियान से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। कार्यशाला में नवभारत साक्षरता कार्यक्रम की रूपरेखा और उद्देश्यों को विस्तार से बताया गया। अमित शुक्ला ने सामुदायिक शिक्षा की प्रासंगिकता पर जोर दिया, वहीं आशीष मिश्रा ने प्रशिक्षण की व्यावहारिक विधियों से सभी को अवगत कराया।

इस प्रेरक अवसर पर कारागार प्रशासन एवं शिक्षा विभाग के अधिकारियों की उपस्थिति में शिक्षक उत्सव तिवारी द्वारा बंदियों को यह संकल्प दिलाया कि शिक्षा की ज्योति से कारागार का हर कोना आलोकित होगा। कार्यक्रम ने यह सन्देश दिया कि साक्षरता केवल अक्षर ज्ञान ही नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता, आत्मसम्मान और उज्ज्वल भविष्य की कुंजी है। एक अन्य समाचार के मुताबिक ब्लॉक संसाधन केन्द्र बर्डपुर में खण्ड शिक्षा अधिकारी रामु प्रसाद के नेतृत्व में साक्षरता के प्रति जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से रैली निकाली गई। उक्त अवसर पर ब्लॉक समन्वयक गुणवत्ता आशीष कुमार सिंह, शैलेन्द्र कुमार मिश्र, रेनू यादव, आशीष चौधरी आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहें।

यूनाइटेड टीचर्स एसोसिएशन यूटा सिद्धार्थनगर ने जिलाधिकारी के माध्यम से प्रधानमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। आरटीई लागू होने से पूर्व नियुक्त शिक्षकों के लिए टेट की बाध्यता विषयक संशोधित अधिनियम पारित करने तथा माननीय सर्वोच्च न्यायालय में पुनर्विचार याचिका दाखिल करने की मांग को लेकर प्रांतीय नेतृत्व के आवाहन पर यूनाइटेड टीचर्स एसोसिएशन यूटा जनपद सिद्धार्थनगर ने जिला संरक्षक हरिमोहन सिंह श्रीनेत के नेतृत्व में जिलाधिकारी महोदय के माध्यम से प्रधानमंत्री के नाम का ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन के माध्यम से अवगत कराया गया कि मा. उच्चतम न्यायालय के द्वारा दिनांक 1 सितंबर 2025 को देश के लाखों शिक्षकों जिनकी सेवा के 20–25 वर्ष बीत चुके हैं, को भी आगामी दो वर्ष में टीईटी की परीक्षा उत्तीर्ण करने का आदेश पारित किया है । दो वर्ष में परीक्षा उत्तीर्ण न कर पाने वाले शिक्षकों को सेवा से विरत करने की बात भी कही है। ऐसी स्थिति में देश के 30 लाख से अधिक शिक्षक एवं उनके परिवार के सामने जीवन यापन का संकट दिखाई देने लगा है। ज्ञातव्य है कि शिक्षा अधिकार अधिनियम 2009 की धारा 23(1) वो 23(2) में अधिनियम लागू होने की तिथि 23 अगस्त 2010 के पूर्व के नियुक्त शिक्षकों को टेट उत्तीर्ण करने का निर्देश नहीं दिया गया है। एनसीटीई ने 23 अगस्त 2010 को शिक्षकों के लिए न्यूनतम योग्यता निर्धारित की है इसके अंतर्गत प्रशिक्षण के अतिरिक्त टीईटी को भी अनिवार्य बनाया गया किंतु इसी अधिसूचना की धारा 4 में यह प्रावधान किया गया की 23 अगस्त 2010 के पहले नियुक्त शिक्षकों को टीईटी की आवश्यकता नहीं है। आरटीई के संशोधन अधिनियम 2017 से 31 मार्च 2015 को नियुक्त या कार्यरत सभी शिक्षक जिनके पास आरटीई एक्ट की धारा 23(1) के अनुसार न्यूनतम अर्हता नहीं है को 4 वर्ष के अंदर योग्यता प्राप्त कर लेने हेतु निर्देशित किया गया। जबकि आरटीई एक्ट की धारा 23(1) के अनुसार 23 अगस्त 2010 के पहले नियुक्त शिक्षकों को टीईटी की आवश्यकता नहीं है। उपरोक्त के परिप्रेक्ष्य में यह स्पष्ट है कि 23 अगस्त 2010 के पूर्व नियुक्त शिक्षकों को टीईटी से मुक्त रखा गया है जबकि मा. उच्चतम न्यायालय के 1 सितंबर 2025 के आदेश में समस्त शिक्षकों को टीईटी उत्तीर्ण किए जाने के आदेश दिए गए हैं तथा 2 वर्ष में टीईटी उत्तीर्ण न करने पर सेवा समाप्ति की भी बात की गई है। अतः आपसे अनुरोध है कि देश के करीब 30 लाख से अधिक शिक्षकों एवं उनके परिवार के भविष्य को ध्यान में रखते हुए आरटीई प्रभावी होने से पूर्व के नियुक्त प्रशिक्षित शिक्षकों को टीईटी से मुक्ति हेतु संशोधित अधिनियम जारी करवाकर भारत सरकार की तरफ से माननीय

उच्चतम न्यायालय में पुनर्विचार याचिका दाखिल करने हेतु संबंधित को निर्देशित करने की कृपा करें। देशभर के लाखों शिक्षक आपके आभारी रहेंगे। ज्ञापन कार्यक्रम में यूटा जिलाध्यक्ष अभय कुमार पाण्डेय, जिला महामंत्री प्रकाश नाथ त्रिपाठी, कोषाध्यक्ष पंकज यादव, उपाध्यक्ष यशी शर्मा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष जितेंद्र कुमार पांडेय, जिला संगठन मंत्री नीरज सिंह, प्रवक्ता आनंद कुमार मिश्र, ब्लॉक अध्यक्ष खुनियांव कुलदीप भार्गव, जिला संयुक्त मंत्री दीप नारायण, रवि नाथ त्रिपाठी, अमित कुमार, मीडिया प्रभारी कुमार शिवम, जिला उपाध्यक्ष अजीत सिंह, नरेंद्र कुमार पांडेय, पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष राधे श्याम वर्मा, महामंत्री अवधेश कुमार सिंह, विशिष्ट बीटीसी संघ के अध्यक्ष वकील प्रसाद, अटेवा अध्यक्ष बृजेश द्विवेदी, पीयूष जायसवाल, विजय कुमार, अंजुलता मिश्रा, राम कृष्ण शर्मा, रवि नाथ, मुकेश कुमार, नेबुलाल, अनिल कुमार, प्रमोद कुमार पांडेय, अबूबकर अंसारी, राजेन्द्र प्रसाद, मनोज कुमार, जाफर अली, अनिल सिंह, उपेंद्र कुमार, घनश्याम यादव, आदि सैकड़ों शिक्षक मौजूद रहें।

नेपाल बॉर्डर पर नशीली दवाओं के साथ एक युवक तस्कर धराया

दैनिक बुद्ध का संदेश

ककरहवा/सिद्धार्थनगर। भारत–नेपाल सीमा पर एसएसबी और पुलिस की संयुक्त कार्यवाई में एक नेपाली नागरिक युवक

को नशीली दवाओं के साथ गिरफ्तार किया गया है। 43वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल की सीमा चौकी ककरहवा और पुलिस को सूचना मिली थी कि सीमा स्तम्भ 544 के पास से नशीली दवाओं की तस्करी होने वाली है। सूचना के आधार पर दोनों दलों ने संयुक्त नाकाबन्दी की। रात के समय एक व्यक्ति को पगडण्डी से नेपाल की तरफ जाते देखा गया। नाका दल को देखकर वह भागने लगा, लेकिन घेराबन्दी कर पकड़ लिया गया। तलाशी में उसकी जेब से 240 टैबलेट प्रॉक्सीवो स्पास बरामद हुई। पूछताछ में पकड़े गये युवक ने अपनी पहचान 26 वर्षीय कुतबुद्दीन जुलाहा निवासी तेनुहवा, लुम्बिनी, रुपन्देही, नेपाल के रूप में दी। उसने बताया कि यह दवाएं उसने मोहाना बाजार से एक अज्ञात व्यक्ति से खरीदी थीं और वह इन्हें खुद के इस्तेमाल के लिए ले जा रहा था। एसएसबी की 43वीं वाहिनी भारत–नेपाल सीमा पर तस्करी रोकने के लिए लगातार कार्यवाई कर रही है। इस दौरान अवैध सामान, मानव तस्करी, नशीली दवाएं, अवैध मुद्रा और वन्य जीव उत्पादों की तस्करी को रोका जा रहा है। पकड़े गये आरोपी और बरामद दवाओं को मोहाना थाने में सौंप दिया गया है।

नमकीन न देने पर किया हमला, बियर पी रहे दो युवकों में विवाद, एक ने दूसरे के सिर पर फोड़ी बोतल

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जनपद सिद्धार्थनगर के बांसी स्टैण्ड के पास

सोमवार रात एक विचित्र घटना सामने आयी है। बियर की दुकान पर दो युवकों के बीच नमकीन को लेकर हुआ विवाद हिंसक रूप ले लिया। घटना सोमवार रात 9:30 बजे की है। पुरानी नौगढ़डीह के नौशाद उर्फ गबन और कृष्णानगर मोहल्ले के नईम दुकान पर बियर पी रहे थे। नौशाद ने नईम से नमकीन मांगी। नईम के मना करने पर नौशाद ने गुस्से में अपने हाथ में पकड़ी बियर की बोतल नईम के सिर पर दे मारी। बोतल लगते ही नईम लहूलुहान होकर गिर पड़ा। मौके पर मौजूद लोगों ने तुरन्त उसे मेडिकल कॉलेज सिद्धार्थनगर पहुंचाया। डॉक्टरों ने नईम के सिर पर टांके लगायें। प्राथमिक उपचार के बाद उसकी स्थिति स्थिर बतायी गयी है। कोतवाली सिद्धार्थनगर के प्रभारी निरीक्षक दुर्गा प्रसाद ने बताया कि पीड़ित की तहरीर मिलने पर आरोपी नौशाद के खिलाफ कार्यवाई की जायेगी। उन्होंने कहा कि दोनों युवक नशे में थे। नशे की हालत में मामूली विवाद हिंसक रूप ले गया। स्थानीय लोगों में यह घटना चर्चा का विषय बन गई है। कुछ लोग इसे सिद्धार्थनगर की अब तक की सबसे महंगी नमकीन बता रहे हैं।

पितृ पक्ष में पितरों को पिण्डदान करनें के लिए लोग जातें हैं बोध गया

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। पितृपक्ष में पितरों को पिण्डदान करने के लिए शोहरतगढ़ विकास क्षेत्र के दर्जनों गांवो से सैकड़ों लोग रविवार को बस द्वारा निकलें है। इसी क्रम में शोहरतगढ़ विकास क्षेत्र के लुधुइया गांव के प्रेम शंकर शुक्ल, शेष कुमार चौरसिया, तीरथ चौरसिया, विनोद मिश्रा, रामशंकर शुक्ला और नगर पंचायत शोहरतगढ़ के गढ़ाकुल निवासी मन्टू जायसवाल भी अपने पत्नी के साथ बोध गया के लिए रवाना हुए हैं। बातचीत के दौरान लोगों ने बताया कि 17 दिवसीय टूर में हम लोग अयोध्या, मथुरा, काशी, बनारस, प्रयागराज का दर्शन करते हुए बोध गया को जायेंगे। हिन्दू धर्म के अनुसार पितृ पक्ष के दौरान गया में पिण्डदान करने का अत्यन्त महत्व है, क्योंकि मान्यता

है कि यह पितरों को मोक्ष दिलाता है, उन्हें तृप्त करता है और सात पीढ़ियों का उद्धार करता है, जिससे उन्हें स्वर्ग की प्राप्ति होती है। गया को मोक्षस्थली भी कहा जाता है, क्योंकि यहा भगवान श्री विष्णु स्वयं पितृदेव के रूप में विराजमान रहते हैं और फल्गु नदी के तट पर भगवान श्री राम ने भी अपने पिता राजा दशरथ के लिए पिण्डदान किया था, जिससे यह स्थान पितृ ऋण से मुक्ति के लिए पवित्र माना जाता है। इसलिए हर साल हर क्षेत्र से काफी लोग पिण्डदान के लिए बोध गया जाते हैं। इस दौरान प्रधान संघ के जिलाध्यक्ष डा० पवन मिश्र, चेयरमैन प्रतिनिधि रवि अग्रवाल, सभासद अनूप कलौधन, संजय कौशल, राजेश शुक्ला, अम्बिका मिश्र, गया प्रसाद, लक्ष्मी, राम करन, श्याम चन्द्र, देवीशरन के साथ काफी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहें।

एफएलएन ट्रेनिंग के 100 शिक्षकों का प्रशिक्षण का हुआ समापन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। ब्लॉक संसाधन केन्द्र नौगढ़ में फाउण्डेशन लिटरेसी एण्ड न्यूमेरसी (एफएलएन) प्रशिक्षण प्रथम फेरे में 100 शिक्षकों का प्रशिक्षण सोमवार को पूरा हुआ। प्रशिक्षण के समापन पर खण्ड शिक्षा अधिकारी राम कुमार सिंह ने कहा कि सभी शिक्षक प्रशिक्षण में बताये गये तथ्यों को ध्यान में रखते हुए विद्यालय में बच्चों को अध्यापन का कार्य करें, जिससे विद्यालय निपुण हो सकें एवं ब्लॉक निपुण बनें। प्रशिक्षण में कक्षा 4 एवं 6 की हिन्दी पाठ्यपुस्तक "फुलवारी" तथा गणित विषय के अध्यापन की नवीन विधियों और विविध गतिविधियों के प्रयोगों पर विस्तार से चर्चा की गई। प्रशिक्षकों ने शिक्षकों को बाल केन्द्रित शिक्षण, खेल आधारित

गतिविधियों तथा नवाचारपूर्ण पद्धतियों को अपनाने हेतु मार्गदर्शन दिये। प्रशिक्षण सत्र में एआरपी जेपी गुप्ता, अनन्त दीप, शिव शंकर मिश्र, शशि यादव एवं रामपाल प्रशिक्षक के रूप में उपस्थित रहें। एआरपी शशि यादव ने सभी शिक्षकों से बच्चों की सीखने की क्षमता को सुदृढ़ बनाने हेतु इस प्रशिक्षण से प्राप्त ज्ञान को कक्षा–कक्षा तक पहुंचाने का आह्वान किये। इस अवसर अभिलाषा रानी, रीचा, पूनम, दिव्यानी, मनीषा, प्रवीणा मिश्र, रमेश जायसवाल, वाचस्पति चतुर्वेदी, हुस्न आरा, पूनम, नीलम, अनुराधा, प्राची, रूबिना, माला पाण्डेय, अलका कटियार सहित बड़ी संख्या में शिक्षक–शिक्षिकाएं उपस्थित रहीं।

नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने दिया इस्तीफा, आन्दोलनकारियों ने सिंह दरबार पर किया कब्जा

दैनिक बुद्ध का संदेश/
पूजा गुप्ता

कपिलवस्तु/नेपाल। पड़ोसी देश नेपाल में भ्रष्टाचार विरोधी प्रदर्शनों ने आखिरकार प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की कुर्सी हिला दी। मंगलवार दोपहर ओली ने इस्तीफा दे दिया। बीते दो दिनों से चल रहे हिंसक प्रदर्शनों में अब तक 25 लोगों की मौत हो चुकी है और सैकड़ों घायल हुए हैं। इस आन्दोलन की अगुवाई प्रदर्शनकारियों ने की है, जिनकी मुख्य मांग ही प्रधानमंत्री का इस्तीफा था। नेपाल की राजनीतिक व्यवस्था के अनुसार प्रधानमंत्री का इस्तीफा देना अपने आप में सरकार का गिरना नहीं माना जाता है। नेपाल में कार्यपालिका का मुखिया प्रधानमंत्री होता है, लेकिन सरकार का औपचारिक प्रमुख राष्ट्रपति होते हैं। वर्तमान राष्ट्रपति राम चन्द्र पौडेल हैं। औपचारिक प्रमुख राष्ट्रपति होते हैं। वर्तमान राष्ट्रपति राम चन्द्र पौडेल हैं। सूत्रों के मुताबिक पौडेल के इस्तीफे के बिना सरकार पूरी तरह खत्म नहीं मानी जायेगी, लेकिन राजनीतिक हलकों में यह साफ है कि अब उनकी विदाई भी तय है। इस पूरे आन्दोलन की शुरुआत सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स एक्स, यूट्यूब और फेसबुक पर प्रतिबन्ध से हुई थी। यह कदम नेपाल सरकार ने उठाया, लेकिन जेन–जी पीढ़ी ने इसका जोरदार विरोध किया। सरकार ने बाद में यह प्रतिबंध हटा लिया, लेकिन तब तक आंदोलन भ्रष्टाचार विरोधी जनान्दोलन में बदल चुका था। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि

सरकार में भारी भ्रष्टाचार और भाई–भतीजावाद व्याप्त है। सोमवार देर रात हालात उस समय और बिगड़ गये जब प्रदर्शनकारियों ने संसद भवन में आग लगा दी। काठमाण्डू की सड़कों पर धुएं के गुबार छा गये, जगह–जगह गाड़ियां और ट्रक जलते दिखे। प्रदर्शनकारी प्रधानमंत्री ओली और राष्ट्रपति पौडेल के निजी आवासों तक पहुंच गये और वहां तोड़–फोड़ व आगजनी की। राजधानी त्रिभुवन अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा भी बन्द करना पड़ा। पुलिस हालात संभालने में नाकाम साबित हुई, जिसके बाद सेना को तैनात किया गया। सरकार से जुड़े कई नेता या तो इस्तीफा दे चुके हैं या फिर सुरक्षित जगहों पर भेज दिए गये हैं। आन्दोलनकारियों के नारे थे "सोशल मीडिया पर रोक बन्द करो, भ्रष्टाचार बन्द करो।" नेपाल का यह आन्दोलन न सिर्फ सोशल मीडिया बैन के खिलाफ युवा पीढ़ी के गुस्से का परिणाम है, बल्कि यह लंबे समय से चल रही राजनीतिक भ्रष्टाचार की समस्या पर जनता के सब्र का टूटा हुआ बांध भी साबित हुआ है।

आन्दोलनकारियों ने सिंह दरबार पर किया कब्जा

देश के मुख्य प्रशासनिक केंद्र सिंह दरबार पर आन्दोलनकारियों ने कब्जा कर लिया है। गुस्साए आन्दोलनकारियों ने एक समूह सिंह दरबार के मुख्य द्वार को तोड़कर अन्दर घुस गया और कई आन्दोलनकारी सिंह दरबार के अन्दर विरोध प्रदर्शन करने लगे। वे निवर्तमान प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली और अन्य शीर्ष नेताओं के खिलाफ नारेबाजी कर अपना गुस्सा जाहिर कर रहे हैं। स्थिति बेकाबू होने के बाद नेपाल पुलिस, सशस्त्र पुलिस बल और नेपाल सेना सिंह दरबार से पीछे हट गई है। सिंह दरबार के ऊपर आसमान में आग की लपटें उठती दिखाई दे रही हैं। सिंह दरबार के अन्दर स्थित प्रधानमंत्री और मंत्रिपरिषद के कार्यालयों के साथ–साथ अन्य मंत्रालयों और विभागों में भी आग लगा दी गई है।

प्रदर्शनकारियों ने सरकारी आवास, सरकारी कार्यालयों सहित निजी आवास में लगाई आग, किया तोड़फोड़

दैनिक बुद्ध का संदेश/
पूजा गुप्ता

कपिलवस्तु/नेपाल। पड़ोसी देश नेपाल के जिला कपिलवस्तु अन्तर्गत जेनजी समुदाय पीढ़ी के प्रदर्शनकारियों ने कपिलवस्तु में नेपाली कांग्रेस और सीपीएन–यूएमएल पार्टी कार्यालयों सहित पूर्व राजदूत दीप कुमार उपाध्याय के निजी आवास, मंत्री बलराम अधिकारी के निजी आवास, बाणगंगा नगर पालिका के मेयर चक्रपाणि आर्यल के निजी आवास और बाणगंगा नगर पालिका करदाता सेवा कार्यालय में आग लगा दी और तोड़फोड़ की।

जिसको लेकर नगरपालिका बाणगंगा नगरपालिका व तौलिहवा नगर पालिका के निवासियों में दहशत का माहौल बना हुआ है।

नेपाल में सोशल मीडिया बैन हटा, 26 सोशल मीडिया साइट्स

दैनिक बुद्ध का संदेश/

सिद्धार्थनगर। पड़ोसी देश नेपाल में सोशल मीडिया पर लगे बैन के बाद हुई हिंसक घटनाओं पर एक बड़ा अपडेट आया है। प्रदर्शनकारियों के भारी दबाव के बाद, सरकार ने सोमवार रात को आखिरकार सोशल मीडिया से प्रतिबन्ध हटा लिया है। आपको बता दें कि नेपाल सरकार ने 3 सितम्बर को 26 सोशल मीडिया साइट्स, जिनमें फेसबुक, इंस्टाग्राम और यूट्यूब भी शामिल हैं, पर बैन लगा दिया था। इसका कारण यह था कि इन प्लेटफॉर्म्स ने नेपाल के संचार और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय में रजिस्ट्रेशन नहीं कराया था। इस फैसले ने नेपाल के युवाओं को नाराज कर दिया, जिन्होंने सरकार के इस कदम को अपनी आवाज दबाने की कोशिश माना। विरोध प्रदर्शनों ने जल्द ही हिंसक रूप ले लिया, जिसमें मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार अब तक 20 लोगों की मौत हो चुकी है और सैकड़ों घायल हुए हैं। वहीं हालात बिगड़ने के बाद सरकार को झुकना पड़ा। कैबिनेट बैठक के बाद संचार मंत्री पृथ्वी गुरुंग ने घोषणा की कि सरकार ने प्रदर्शनकारियों की मांग को मान लिया है और सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को फिर से शुरू कर दिया है।

सम्पादकीय

श्रम आधारित उद्योगों के बजाय कृत्रिम बुद्धिमत्ता वाले उद्योगों के बढ़ने से यह स्थिति पैदा हुई है। साथ ही नौकरियों में अस्थिरता व असुरक्षा के चलते भविष्य को लेकर जो अनिश्चितता पैदा होती है, उससे युवाओं में तनाव की वृद्धि होती है। भौतिकवादी नजरिये के चलते आज के युवा जिस जीवनशैली की आकांक्षा रखते हैं..

अनिश्चित भविष्य व सोशल मीडिया वजह

दशकों मान्यता रही है कि समाज का मिडल ऐज ग्रुप दुरूखी व तनाव में और युवा व बुजुर्ग प्रसन्न रहते हैं। लेकिन हालिया प्रकाशित एक अध्ययन ने बताया कि दुरूख की शुरुआत अब युवा अवस्था में हो रही है। अमेरिका, ब्रिटेन, एशिया, अफ्रीका समेत सम्पूर्ण के 44 देशों में यह ट्रेंड देखा गया है। जिसमें भविष्य की अनिश्चितता व कार्य परिस्थितियों का दबाव तो है मगर बड़ा कारक सोशल मीडिया बताया जा रहा है। दरअसल, लगातार सोशल मीडिया से जुड़े रहने और यथार्थ से दूर रहने के कारण युवा जीवन की वास्तविक स्थितियों का मुकाबला नहीं कर पा रहे हैं। आभासी मीडिया उन्हें बड़े–बड़े सपने तो दिखाता है, लेकिन जीवन की कठोर सच्चाई से अवगत नहीं कराता है। यही वजह है कि जहां पहले मिड ऐज ग्रुप यानी 40 से 50 आयु वर्ग दुखी माना जाता था, उसके स्थान पर दुरूख की शुरुआत अब युवा उम्र से ही होने लगी है। हालिया, ग्लोबल माइंड प्रोजेक्ट के आंकड़ों में, अमेरिका, यूरोप, लैटिन अमेरिका, एशिया, अमेरिका व मिडल ईस्ट के 44 देशों का अध्ययन बताता है कि बुजुर्गों की तुलना में युवाओं का मानसिक स्वास्थ्य ज्यादा खराब है। वेब आधारित इस सर्वे में पर्याप्त डेटा जुटाया गया था। जो बताता है कि यह ट्रेंड केवल विकसित देशों में ही नहीं है, बल्कि वैश्विक स्तर पर है। आंकड़े बताते हैं कि हर नई पीढ़ी अब पहलों के मुकाबले ज्यादा तनाव में है। वहीं दूसरी तरफ अमेरिका व ब्रिटेन में किए गए एक अन्य सर्वे में कम पढ़े–लिखे युवा कर्मियों में अवसाद ज्यादा पाया गया है। पहले मान्यता रही है कि नौकरीपेशा लोगों में नौकरी मिलने के बाद तनाव कम होता है,लेकिन आज हकीकत ठीक इसके विपरीत है। ब्रिटेन के एक सर्वे में कहा गया है कि साल 2016 के बाद चालीस से कम उम्र के युवाओं में चिंता व अवसाद पहले के मुकाबले ज्यादा हो गया है। वैसे यह भी हकीकत है कि जिन देशों में रोजगार की स्थिति बेहतर है,वहां मानसिक सेहत में सुधार हुआ है। दरअसल, तमाम अध्ययन बता रहे हैं कि सोशल मीडिया में लगातार सक्रियता युवाओं को वास्तविक सामाजिक जीवन से दूर कर रही है। वे कृत्रिम जीवन में जी रहे हैं। जब हम समाज व मित्रों के बीच सक्रिय रहते हैं तो बातचीत से तनाव मुक्त रह सकते हैं। देर रात तक सोशल मीडिया पर सक्रिय रहने से युवाओं का नींद का चक्र बुरी तरह से प्रभावित हो रहा है। आभासी मित्रता के बजाय आमने–सामने की बातचीत सेहत के लिये ज्यादा लाभकारी होती है। यह जीवन की हकीकत है कि हमारे जीवन में योगदान देने वालों के प्रति यदि हम कृतज्ञता का भाव रखते हैं तो हमारा जीवन– व्यवहार सहज हो जाता है। मनोवैज्ञानिकों का कहना है कि हम जिन चीजों के प्रति कृतज्ञ हैं, उनके बारे में लिखने से हमारा नजरिया बदलता है। हमारा मानसिक स्वास्थ्य इस बात पर निर्भर करता है कि हमारी दिनचर्या कितनी अनुशासित व संतुलित है। रात को जल्दी सो जाने और सूर्योदय के साथ उठने से हम दिनभर प्रफुल्लित रह सकते हैं। विडंबना यह भी कि सोशल मीडिया पर आधुनिक जीवन की जो चमक–दमक दिखायी जाती है,युवा उसको पाने की आकांक्षा करने लगते हैं। लेकिन जीवन का यथार्थ कठोर है। निस्संदेह, वैज्ञानिक उन्नति व तकनीकी विकास से पूरी दुनिया में रोजगार के अवसरों का संकुचन हुआ है। श्रम आधारित उद्योगों के बजाय कृत्रिम बुद्धिमत्ता वाले उद्योगों के बढ़ने से यह स्थिति पैदा हुई है। साथ ही नौकरियों में अस्थिरता व असुरक्षा के चलते भविष्य को लेकर जो अनिश्चितता पैदा होती है, उससे युवाओं में तनाव की वृद्धि होती है। भौतिकवादी नजरिये के चलते आज के युवा जिस जीवनशैली की आकांक्षा रखते हैं, वह पूरे न होने पर भी वे डिप्रेशन के शिकार बन जाते हैं। युवाओं को जीवन के कठोर यथार्थ से जूझने का संबल देना वक्त की जरूरत है। असीमित आकांक्षाओं व जीवन के यथार्थ में साम्य स्थापित करना तमाम समस्याओं का समाधान देता है। सोशल मीडिया से सुरक्षित दूरी इसमें मददगार साबित हो सकती है।

सप्तदेवी मंदिर

हिमाचल प्रदेश जहां अनंत पर्यटन व धार्मिक दृष्टि से विश्व प्रख्यात है, वहीं अपार कुदरती सौंदर्य से आच्छादित भी है। ऐसा प्रतीत होता है कि आज भी इस राज्य में दिव्य और अलौकिक शक्तियां अपने अद्भुत व चमत्कारिक अस्तित्व में लोगों के दिलो दिमाग में रमी हुई हैं, क्योंकि इस राज्य के कण–कण में देवी–देवताओं एवं ऋषि–मुनियों ने जहां घोर तपस्या की थी, वहीं यह उनकी कर्मस्थली भी रही है। इसलिए इस राज्य का प्रत्येक क्षेत्र किसी न किसी किंवदंती अथवा पौराणिक कथाओं से संबंध रखता है। ऊना जनपद के उपमंडल अंब के किन्नू गांव में स्थित सप्तदेवी मंदिर श्रद्धालुओं की आस्था व श्रद्धा का केंद्र है, जिसमें विशेषकर सात देवियों के दिव्य दर्शन यहां श्रद्धालु कर सकते हैं। सात देवियों के स्थापित होने से ही इस पुरातन मंदिर का नाम सप्तदेवी मंदिर प्रचलित हो गया। किन्नू गांव का समस्त क्षेत्र वैसे भी धार्मिक स्थल के साथ–साथ पर्यटन की दृष्टि व कुदरती सौंदर्य के नयनाभिराम दृश्यों को समेटे हुए है। इसलिए सप्तदेवी मंदिर के इर्द–गिर्द की प्राकृतिक सुंदरता की छटा हरेक श्रद्धालु, सैलानी को बरबस अपनी ओर आकर्षित कर लेती है। किंवदंतियों के अनुसार जब मां सती के पिता राजा दक्ष ने कनखल में यज्ञ किया था, तो सभी देवी–देवताओं को आमंत्रित किया, लेकिन अपने दामाद शिवजी को निमंत्रण नहीं दिया। सती बिना निमंत्रण के ही यज्ञ में चली गई। वहां जब उसका कोई मान–सम्मान नहीं हुआ और न ही यज्ञ में शिवजी का स्थान पाकर सती अत्यंत क्रोधित हो गई। उन्होंने उसी यज्ञ कुंड में छलांग लगाकर अपने प्राणों की आहुति दे दी। जब इस घटना की जानकारी भगवान शिव को प्राप्त हुई तो वह तुरंत यज्ञ स्थल पर पहुंचे और सती के जले शव को कंधे पर उठाकर तथा अपना रौद्र रूप धारण कर ब्रह्मांड में विचरण करने लगे। क्रोध से शिवजी का तीसरा नेत्र न खुल जाए इस भय से सभी देवता चिंतित हो उठे। भगवान विष्णु ने अपने सुदर्शन चक्र से शव के अंग विच्छेद करके धरती पर गिरा दिए। यह अंग 51 जगह पर गिरे जो आगे चलकर 51 शक्तिपीठ कहलाए। उनमें से मस्तक, चरण, जिह्वा, कान, नेत्र और कनिष्ठ अंगुली यहीं गिरे थे। इसलिए यहां सप्तदेवियों की स्थापना हुई। यहां आने से सातों बहनों के दर्शनों का फल मिलता है। मंदिर के मुख्य प्रवेश द्वार के दोनों ओर हनुमानजी व भैरवजी की विशाल व अलौकिक मूर्तियों को देखकर भला कौन अभिभूत नहीं होगा। मंदिर के एक छोर पर बाबा बालकनाथ की प्रतिमा को देखकर सुखद एहसास की अनुभूति होती है। मुख्य मंदिर के अंदर मां वैष्णो की भव्य व अद्भुत मूर्ति, उसके इर्द–गिर्द मां ज्वाला तथा मां चिंतपूर्णी की कलात्मक मूर्तियां अपना विशेष महत्त्व रखती हैं। इस के अलावा मां नैना देवी, मां काली, मां चामुंडा व मां बज्रेश्वरी आदि की संगमरमर की प्रतिमाओं को देखकर हर भक्त नतमस्तक और अनंत सागर में डूब जाता है। इस मंदिर के निर्माण की गाथा बड़ी ही रोचक है। कहते हैं कि महंत योगी सूरज नाथजी इस स्थान पर भगवान शिवजी का मंदिर बनवाना चाहते थे। कुछ भक्त मां चिंतपूर्णी के दर्शन करके पैदल जा रहे थे और महंतजी को देखकर वे सभी उनके पास बैठ गए। एक कन्या जो लगभग 6 वर्ष की थी, वो खेल(चौकी)आ गई और वह बोली कि महंत जी आप यहां शंकर भगवानजी का मंदिर बनवाना चाहते हो, परंतु यह स्थान तो मेरा है, क्योंकि जब महादेव जी सती के शव को उठाए घूम रहे थे तो इसी स्थान पर भगवान विष्णु ने अपने सुदर्शन चक्र से सती के अंग विच्छेद किए थे, जो सात स्थानों पर अलग–अलग गिरे थे।

परोपकारी महानायक की महकती विरासत

19वीं शताब्दी में जनता की आवाज सरकार तक पहुंचाने तथा जनता को जागरूक करने के लिए मजीठिया जी ने 'द ट्रिब्यून' द्विसाप्ताहिक समाचारपत्र की स्थापना की। 'द ट्रिब्यून' का प्रथम संस्करण बुधवार के दिन 2 फरवरी, 1881 को लाहौर से प्रकाशित किया गया। प्रथम संपादकीय में 'द ट्रिब्यून' के मुख्य उद्देश्य को स्पष्ट करते हुए दयाल सिंह ने लिखा कि ट्रिब्यून के 'योजनाकार तथा संचालक तो मात्र जनहित के लिए...

सर सैयद अहमद खान ने उनके बारे में कहा, राजकीय सम्मान से कहीं ऊपर भगवान ने उन्हें उनके व्यक्तित्व में बहुत कुछ दिया है। महान चरित्र, प्रेमपूर्ण स्वभाव, सभी के लिए सद्भावना और सभी समुदायों के लोगों के लिए सम्मान उनकी निजी उपलब्धियां थीं। सरदार दयाल सिंह मजीठिया परिचय देने में विशेषण कम पड़ते नजर आते हैं। वे एक प्रेरक राष्ट्रनायक, मानवता प्रेमी, संपादक, शिक्षाविद्, अर्थशास्त्री, दानवीर, कांग्रेस के प्रतिष्ठित प्रतिनिधि, लेखक, ब्रह्मो समाजी, तर्कशील, ओजस्वी वक्ता, धर्मनिरपेक्षता की जीवंत मूर्ति थे। वह राजा कर्ण तथा भामाशाह की भांति आधुनिक युग के दानवीर थे। उत्तर भारत को अज्ञानता के अंधेरे से आधुनिकता के प्रकाश की ओर ले जाने की दिशा में उनका योगदान ब्रह्मो समाज के संस्थापक राजा राममोहन राय जैसा था। मजीठिया जी का परिवार महाराजा रणजीत सिंह के शासनकाल में पंजाब के प्रमुख कुलीन परिवारों में से एक था। दयाल सिंह के परदादा सरदार नौध सिंह, दादा देसा सिंह और पिता सरदार लहना सिंह महाराजा रणजीत सिंह की सेना के सर्वश्रेष्ठ जरनलों की श्रेणी में आते थे। उनके पिता स. लहना सिंह एक सुयोग्य प्रशासक व उदारवादी व्यक्ति थे। लहना सिंह को कांगड़ा और पहाड़ी क्षेत्र तथा छोटी रियासतों का नाजिम (गवर्नर) बनाया गया। विषम परिस्थितियों के कारण वे 14 जनवरी, 1848 को पंजाब छोड़ बनारस में जा बसे। दयाल सिंह का जन्म सन् 1848 में बनारस में हुआ था। उनका पैतृक गांव मजीठा था इसलिए उन्होंने अपने नाम के साथ

'मजीठिया' उपनाम जोड़ा। जब वे 6 साल के थे, तब उन्होंने माता–पिता को खो दिया। उन्हें राजा तेजा सिंह के संरक्षण में रखा गया तथा उनकी संपत्ति का प्रबंध 'कोर्ट ऑफ वार्ड्ज' द्वारा किया गया। मजीठिया परिवार ने बनारस छोड़ दिया और अपने पैतृक गांव मजीठा में आकर रहने लगे। उनकी प्रारंभिक शिक्षा क्रिश्चियन मिशन स्कूल, अमृतसर में हुई। उच्च शिक्षा के लिए वे सन् 1874 में इंग्लैण्ड गए। दयाल सिंह अंग्रेजी व उर्दू भाषा के माहिर थे। उनके चिंतन के मौलिक स्रोत उनके द्वारा 'द ट्रिब्यून' में लिखे गए लेख व पुस्तकें हैं। धर्मनिरपेक्ष राष्ट्रवादी विचारधारा की झलक उनके द्वारा 'द ट्रिब्यून' में प्रकाशित लेखों, संपादकीय अग्रलेखों के अतिरिक्त सन 1895 में प्रकाशित उनकी पुस्तक 'राष्ट्रवाद' से भी स्पष्ट दृष्टिगोचर होती है। वे अच्छे कवि भी थे तथा कविताएं 'मशरीक' छद्म नाम से लिखते थे। 'द लास्ट विल और टेस्टामेंट' का सरदार दयाल सिंह मजीठिया, 15 जून, 1895, जिसमें ट्रस्टों की स्थापना की गई है, उनके चिंतन का स्रोत माना जा सकता है। 19वीं शताब्दी में भारतीय समाज में व्याप्त कुरीतियों और सामाजिक विसंगतियों का मजीठिया जी ने विरोध किया। उन पर सर्वाधिक प्रभाव राजा राममोहन राय के चिंतन का पड़ा। मजीठिया जी कालांतर में ब्रह्मो समाजी हो, समाज सुधार में जुट गए। जब सन् 1880 में दयाल सिंह कोलकाता पहुंचे तो उनका भव्य स्वागत किया गया। उन्होंने साधारण ब्रह्मो समाज मंदिर कोलकाता के निर्माण हेतु काफी मात्रा में धन दिया। इंग्लैंड के उदार राजनीतिक माहौल और उदार शिक्षा का दयाल सिंह जी की सोच पर बहुत प्रभाव पड़ा। उन्होंने सन् 1888 में इलाहाबाद कांग्रेस में भाग लिया। ओजस्वी वक्ता और प्रभावशाली नेतृत्व व विचारों के कारण ही उनको लाहौर कांग्रेस (सन् 1893) की स्वागत समिति का अध्यक्ष बनाया गया। लाहौर अधिवेशन में दिया गया उनका संबोधन उदारवादी चिंतन की उत्कृष्ट अभिव्यक्ति और उनकी सर्वोत्तम कृति मानी जाती है। उन्होंने समाज में फैले अज्ञानता रूपी अंधेरे को दूर करने के लिए तीन ट्रस्टों- ट्रिब्यून ट्रस्ट, कॉलेज ट्रस्ट एवं लाइब्रेरी ट्रस्ट की स्थापना की। उनके अथक प्रयासों के कारण पंजाब यूनिवर्सिटी, लाहौर की स्थापना सन् 1882 में हुई। मजीठिया जी की वसीयत के अनुच्छेद 8 के निर्देश अनुसार वर्ष 1910 में दयाल सिंह कॉलेज, लाहौर की स्थापना की गई। भारत विभाजन के बाद दयाल सिंह कॉलेज ट्रस्ट सोसायटी की अधिकांश संपत्ति लाहौर में रह गई थी। इसके बावजूद उनकी विरासत, वसीयत और विचारधारा को निष्ठापूर्ण तरीके से आगे बढ़ाते हुए 16 सितंबर, 1949 को दयाल सिंह कॉलेज, करनाल की स्थापना की गई। इसके अतिरिक्त चार सीनियर सेकेंडरी स्कूलों की स्थापना करनाल, पानीपत और जगाधरी में की गई है। ट्रस्ट द्वारा दयाल सिंह पुस्तकालय की स्थापना सन् 1954–55 में की गई। पब्लिक लाइब्रेरी विद्यार्थियों, शोधार्थियों व अध्येताओं के लिए देहली की सर्वोत्तम लाइब्रेरी मानी जाती है। सन् 1958 में दिल्ली में दयाल सिंह इवनिंग कॉलेज की स्थापना की गई। उनके प्रयासों के परिणामस्वरूप विशुद्ध भारतीय पूंजी के आधार पर भारतवर्ष के प्रथम स्वदेशी बैंकपंजाब नेशनल बैंक की स्थापना 23 मई 1894 को हुई। उन्हें बैंक का पहला कार्यकारी अध्यक्ष होने का गौरव प्राप्त है।

बड़ी संख्या में वापस लौटने वाले युवाओं और पहले ही यहां काफी तादाद में मौजूद बेरोजगार युवाओं को बाढ़ और तंत्र की अक्षमता से तबाह हुए देश का सामना करना पड़ेगा। 'गि)–शक्तियां' इन युवाओं को आपराधिक गिरोहों, आतंकी संगठनों आदि के लिए इस्तेमाल करने के लिए तैयार हैं। सरकार के समक्ष पुनर्वास का विशाल कार्य होगा और उसे ...

हर आपदा के समक्ष जरूरी राष्ट्र की एकजुटता

पंजाब, हिमाचल, उत्तराखंड और जम्मू–कश्मीर में बाढ़ से लाखों लोग प्रभावित हैं। शासन–प्रशासन की तैयारी व प्रतिक्रिया उम्मीद मुताबिक नहीं रही। सिविल ढांचा चरमराया हुआ है। ऐसे में सरकारों और नागरिक समाज को तालमेल बनाकर राहत कार्य करना चाहिये। राष्ट्र के तौर पर बड़ी चुनौती बाढ़ ग्रस्त इलाकों में युद्ध स्तर पर पुनर्वास कार्य कर दिखाने की है। चुनाव कोई भी होलोकसभा, विधानसभा, नगरपालिका या पंचायतकू उसे लड़ने की तैयारी की शुरुआत ढेरों बैठकों (संसदीय समितियां, कार्यसमितियां, चुनाव समितियां आदि) बनाने से की जाती है। पर्यवेक्षकों की नियुक्ति और बूथ स्तर तक चुनाव प्रबंधकों को काम पर लगाया जाता हैय केंद्रीय नेता राज्यों में, राज्य के राजनेता जिलों में और जिला स्तरीय नेता पंचायतों में जाकर प्रचार करते हैं। चुनावी उत्सव लासानी रणनीति के साथ लड़ा जाता है दृ वॉर रूम बनाना, कार्यकर्ताओं को लामबंद करना, अद्भुत कंप्यूटिंग शक्ति और डेटा से लैस चुनाव विश्लेषकों की तैनाती। वहीं इन दिनों नौकरशाही भी खुलकर शामिल हो रही है और अंततः इसको चुनाव में सक्रिय हुए बेहतरीन और प्रतिभावान लोग देखने को मिलते हैं। बेशक, यह सब धन और मीडियन के प्रदर्शन के साथ होता है, जो अपने पिछले सर्वश्रेष्ठ से हमेशा एक कदम आगे ही होता है। मुद्दा यह कि सभी दलों का नेतृत्व पूरी तरह सक्रिय दिखाई–सुनाई देता है। अगर चुनावों के लिए इस स्तर

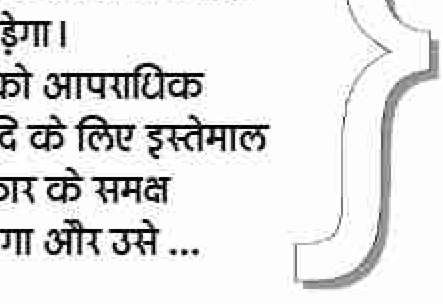

का प्रबंधन संभव है और इतनी बड़ी मात्रा में धन का इस्तेमाल किया जा सकता है, तो पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू–कश्मीर में लगातार जारी बाढ़ के बीच लाखों लोग क्यों दुख में डूबे हुए हैं? नदियां और पहाड़ी नाले उफान पर हैं, हर तरफ भूस्खलन हो रहा है, सड़कें बह गईं, पुल बह रहे हैं, बांधों–नहरों के कुप्रबंधन के आरोप लग रहे हैं– पूरा सिविल ढांचा चरमराया पड़ा है। प्रकृति का कोप हर ओर दिखाई देता है, लेकिन नागरिक प्रशासन का मरहम लगाने वाला हाथ कहने भर को सक्रिय है। बाढ़ बिना किसी अच्छी खासी पूर्व सूचना के नहीं आतीय खासकर इस बार मौसम विज्ञान विभाग का अनुमान सटीक रहा। जुलाई, अगस्त, और सितंबर में भारी बारिश का पूर्वानुमान दिया थादृ फिर भी समय रहते संगठित प्रतिक्रिया का अभाव रहा। राज्य सरकारें कहती हैं उन्होंने ऐसी आकस्मिकताओं के लिए बाकायदा दिशा निर्देश तय किये हैं। लेकिन, उन्हें लागू करने का जिम्मा किसका? क्या यह व्यक्तिगत या संगठनात्मक विफलता थी, या इन राज्यों की सरकारों की सामूहिक विफलता? क्या रिकॉर्ड में कुछ दर्ज है? बताएं क्या कोई तैयारी पहले की थी, कोई अभ्यास किया, क्या अधिक आपदा की आशंका वाले इलाके चिन्हित किये थे? क्या ऐसे क्षेत्रों में पर्याप्त कार्यबल, सामग्री और अन्य संसाधन उपलब्ध थे? क्या इसके लिए अधिकारी नियुक्त किए गए? क्या जिला व राज्य स्तरीय नियंत्रण कक्ष स्थापित किए गए व उनका परीक्षण किया? बांधों से अतिरिक्त पानी छोड़े जाने की स्थिति में निचले इलाकों के गांवों के लिए चेतावनी प्रणाली क्या थी? यकीनन इन सवालों के अधिकतर जवाब नोटिस या अस्पष्ट ही होंगे। फिर, बाढ़ आने के बाद प्रतिक्रिया क्या रही? क्या यह संस्थागत प्रतिक्रिया थी या फिर अक्ल और निष्ठा की काबिलियत से चुस्त अधिकारियों की बेतरतीब प्रतिक्रिया रही? समाचारों के अनुसार, अधिकांशतः निराशा भरे इस माहौल में कुछ उजले बिंदु भी दिखाई दिये। मैंने सरकारी बचाव नौकाएं चलाए जाने की ज्यादा बात नहीं सुनी और आसमान में किसी भी तरह की बचाव हलचल नहीं दिखी, सिवाय एकाध हेलीकॉप्टर के। सूबे में केंद्रीय बल और सेना हर तरफ उपलब्ध हैं और ऐसी आकस्मिकता के दौरान नागरिक प्रशासन की मदद को उन्हें बुलाया जा सकता है। सेना की कुछ टुकड़ियां खासकर ऐसे उद्देश्यों के लिए तय होती हैं और सिविल अधिकारियों को उनके साथ संपर्क बनाए रखना होता है। मूल बात यह कि ऐसी वार्षिक आपदाओं का सामना करने के लिए योजनाएं पहले से बनाकर तैयारी रखी जानी चाहिए थी, खासकर जब मौसम विभाग का पूर्वानुमान इतना सटीक हो। सार्थक सरकारी प्रतिक्रिया के अभाव में, यह काम नागरिक समाज पर छोड़ दिया गया क्योंकि उनका जीवन व आजीविका प्रकृति के कोप से बचाव करने पर टिका है। ग्रामीणों ने तात्कालिक समस्याओं से लड़ने को खुद को संगठित किया। उन्हें अपने परिवार, घर, पशुओं को बचाना था – उन्हें भजन गाते हुए अपने भरोसे आपदा से जूझते देखना दिलासा देने वाला रहा। ऐसे लोगों को हमें किसी राष्ट्रीय धरोहर की तरह संजोकर रखना चाहिए– ऐसे मानव संसाधन आसानी से नहीं मिलते। क्या हमेशा की तरह यह आपदा भी तुच्छ राजनीति और तस्वीरें खिंचवाने का मौका है? क्या हम एक राष्ट्र के रूप में इस अवसर पर खड़े नहीं हो सकते? इत्तफ़ाक, जब संगठित हों, तो संसाधन विशाल बन जाते हैं और जबरदस्त कारनामे करने में सक्षम होता है। नेतृत्व का अर्थ है लोगों को प्रेरित करना और संसाधनों का समन्वय करना – इआपदा की घड़ी बने तो अगुवा सबसे आगे रहेगा। यहां वह व्यक्ति कहां है जो राष्ट्र की विशाल जनशक्ति को संगठित कर सके? या फिर क्या हम इनिम्न दर्जा नेताओं व खोखले लोगोंह का पिछलग्गू बनने को अभिशप्त हैं? हमारे स्वतंत्रता सेनानियों का योगदान हम सबके लिए एक मिसाल है, हम उस स्वतंत्र भारत की संतान हैं जिसमें अत्याचारों का कोई स्थान नहीं। क्या हमें अपने ही लोगों द्वारा लूटा जाना चाहिए? आज देश के अंदर से और हमारी दुश्मन ताकतों की ओर से बहुत शरारतें हो रही हैं – टैरिफ के रूप में भू–राजनीतिक चुनौतियों से लेकर पाकिस्तान की धमकियां और उसके पाले–पोसे आतंकवाद से लेकर हमारे अन्य पड़ोसियों के निहित स्वार्थों तक।

काफा नेशंस कप 2025 में ओमान को हराकर भारत ने जीता ब्रॉन्ज मेडल

सोमवार को खेले गए काफा नेशंस कप 2025 मुकाबले में भारत ने ओमान को पेनल्टी शूट आउट में 3–2 से हराकर सीएएफए नेशंस कप फुटबॉल टूर्नामेंट में तीसरा स्थान हासिल किया है। भारत ने पश्चिम एशिया के अपने प्रतिद्वंद्वी को इतिहास में पहली बार हराया है। भारतीय टीम ने किसी इंटरनेशनल फुटबॉल मैच में ओमान को पहली बार हराया है। नियमित और अतिरिक्त समय के बाद मुकाबला 1–1 से बराबर था जिसके बाद नतीजे के लिए शूट आउट का सहारा लिया गया। पहले हाफ में दोनों ही टीमें कोई गोल नहीं कर पाईं। 55वें मिनट में यहमादी ने ओमान की ओर से गोल किया था। 80वें मिनट में भारत ने उदांता सिंह के गोल की मदद से बराबरी हासिल कर ली। इससे पहले शूट आउट में बेहतर रैंकिंग वाली टीम ओमान ने अपने शुरुआती दो मौके गंवा दिए जबकि गोलकीपर गुरप्रीत सिंह संधू ने अंतिम पेनल्टी को रोककर तीसरे–चौथे स्थान के क्लासिफिकेशन मुकाबले में भारत की जीत सुनिश्चित की।

शूटआउट में भारत की ओर से लालियानजुआला छांगटे राहुल भेके और जितिन एमएस ने गोल दागे जबकि अनवर अली और उदांता सिंह गोल करने में नाकाम रहे। दोनों टीम अपने ग्रुप में दूसरे स्थान पर रही थी जिससे उन्हें तीसरे स्थान के मुकाबले में खेलने का मौका मिला। भारत ने 2000 से ओमान के खिलाफ 9 मैच में से 6 गंवाए हैं। दोनों टीम के बीच पिछला मुकाबला मार्च 2021 में खेला गया था जो 1–1 से ड्रॉ रहा था।

एशिया कप 2025 की प्राइज मनी से भी महंगी है हार्दिक पंड्या की ये घड़ी, कीमत जानकर चौंक जाएंगे

एशिया कप 2025 से पहले ही टीम इंडिया के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या अपने लुक और स्टाइल के कारण चर्चा में हैं। पहले तो उन्होंने अपने नए हेयर स्टाइल से सबका ध्यान अपनी ओर खींचा था वहीं अब एक और नई चीज ने उन्हें सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया है। दरअसल, ट्रेनिंग सेशन के दौरान हार्दिक के हाथ में उनकी बेशकीमती घड़ी ने सबका ध्यान अपनी ओर खींचा है।

हार्दिक पंड्या अपने ब्लॉन्ड हेयर और ब्लैक दाढ़ी के कारण एक अलग अंदाज में नजर आ रहे हैं। तो प्रैक्टिस सेशन के दौरान रिचर्ड मिल आरएम 27–04 की घड़ी को पहनकर हार्दिक खेलने उतरे थे। इस घड़ी की कीमत जानकर हर कोई हैरान रह गया है, क्योंकि इसकी कीमत एशिया कप की प्राइज मनी से कई गुना ज्यादा है।

हार्दिक पंड्या की घड़ी की कीमत दरअसल, एशिया कप 2025 का आगाज 9 सितंबर से अबू धाबी में हो रहा है। जहां अफगानिस्तान और हांगकांग के बीच टूर्नामेंट का पहला मैच खेला जाएगा। एक दिन बाद 10 सितंबर को टीम इंडिया यूएई के खिलाफ मैदान में उतरेगी। रिपोर्ट के अनुसार, एशिया कप जीतने वाली टीम को करीब 2.6 करोड़ रुपये की इनामी राशि दी जाएगी। वहीं एशिया कप की प्राइज मनी के बीच हार्दिक पंड्या की घड़ी खूब चर्चा में है।

हार्दिक पंड्या को प्रैक्टिस सेशन के दौरान रिचर्ड मिल आरएम27–04 घड़ी पहने देखा गया था। इस घड़ी का वजन 30 ग्राम के करीब है, जबकि इसकी कीमत 20 करोड़ रुपये के करीब है। बता दें कि, ये घड़ी खासतौर पर टेनिस लीजेंड राफेल नाडल के लिए बनाई जाती है इसलिए इसे राफेल नडाल एडीशन भी कहते हैं।

ब्रिक्स समिट में ट्रंप से क्या बोले जयशंकर? अमेरिका के टैरिफ को लेकर अच्छे से धमका दिया

जरा सोचिए कि अगर दो देश एक दूसरे से असहमत हो तो क्या एक दूसरे के सामान पर टैक्स लगा देंगे? क्या व्यापार का ये तरीका सही है। ब्रिक्स की इमरजेंसी वर्चुअल समिट में भारत ने यही सवाल उठाया है। भारत ने कहा है कि जबरदस्ती व्यापार को मुश्किल बनाने से कोई फायदा नहीं होगा। भारत की तरफ से विदेश मंत्री एस जयशंकर ब्रिक्स समिट में शामिल हुए। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, ब्राजील के राष्ट्रपति लूला डि सिल्वा भी मौजूद थे। भारत की तरफ से भी पहले इस समिट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जाना था। लेकिन आखिर में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने इसमें शामिल होकर अपनी बात रखी।

इस समिट का मकसद अमेरिका की टैरिफ नीतियों से पैदा हुई व्यापारिक चुनौतियों पर चर्चा करना था। अमेरिका ने भारत और ब्राजील जैसे देशों पर 50 प्रतिशत का टैरिफ लगाया है।

इसी बैठक में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का नाम लिए बिना जयशंकर ने कहा कि दुनिया की मौजूदा स्थिति वास्तविक चिंता का कारण बन गई है। अलग–अलग वैश्विक चुनौतियों के सामने बहुपक्षीय प्रणाली विफल होती दिख रही है। वैश्विक व्यापार प्रणाली खुले निष्पक्ष दृष्टिकोण पर आधारित होना चाहिए। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का नाम लिए बिना जयशंकर ने कहा कि बाधाएं बढ़ाने, लेन–देन को मुश्किल बनाने से कोई मदद नहीं मिलेगी। व्यापार को हमेशा सुगम बनाना चाहिए। चीन ने ट्रम्प की चुनौतियों से निपटने के लिए एकजुट होने का आह्वान चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने अमेरिका की व्यापार चुनौतियों का सामना करने के लिए एकजुट होने पर जोर दिया। जिनपिंग ने कहा, कुछ देशों द्वारा शुरू किए गए व्यापार युद्ध और टैरिफ युद्ध विश्व अर्थव्यवस्था को प्रभावित करते हैं और नियमों को कमजोर करते हैं।

जीएसटी को लेकर लोगों से की गई ये खास अपील, सही जानकारी के लिए इस चीज का लें सहारा

नई दिल्ली। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने रविवार को आम जनता, व्यापारी वर्ग और पत्रकारों से अपील करते हुए कहा कि जीएसटी पर सही जानकारी के लिए केवल सरकार द्वारा जारी नोटिफिकेशन का सहारा लें। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर की एक पोस्ट में सीबीआईसी ने कहा, यह हमारे संज्ञान में आया है कि सोशल मीडिया पर सीबीआईसी के चेयरमैन के हवाले से एक अनौपचारिक संदेश व्यापक रूप से प्रसारित किया जा रहा है, जिसमें दावा किया गया है कि जीएसटी के तहत कुछ ट्रांजिशन बेनिफिट्स जैसे अप्रयुक्त सेस क्रेडिट, छूट प्राप्त आपूर्ति का आईटीसी और न्यू प्राइस एडजस्टमेंट प्रोविजन आदि 22 सितंबर 2025 से लागू होंगे। सीबीआईसी ने कहा कि यह दावे निराधार और भ्रामक हैं और तथ्यात्मक रूप से सही नहीं है। बयान में आगे कहा कि हम जनता, व्यापारियों और अन्य पत्रकारों से अपील करना चाहते हैं कि जीएसटी को समझने के लिए केवल सरकारी नोटिफिकेशन, सर्कुलर और एफएक्यू का सहारा लें। सरकार की ओर से अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधारों का ऐलान किया गया है, इसमें टैक्स स्लैब की संख्या को घटाकर दो 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत कर दिया गया है, जो कि पहले चार स्लैब– 5 प्रतिशत, 12 प्रतिशत, 18 प्रतिशत और 28 प्रतिशत थी। इसके साथ बड़ी संख्या में चीजों को टैक्स में कटौती की गई है। ये नए सुधार 22 सितंबर से लागू हो रहे हैं। बर्नस्टीन की रिपोर्ट के अनुसार, केंद्र सरकार की ओर से हाल ही में किए गए जीएसटी सुधारों से भारत में उपभोग में तेज वृद्धि देखने को मिलेगी। इससे फुटवियर, एफएमसीजी, परिधान और क्विक सर्विस रेस्तरां (क्यूएसआर) इंडस्ट्री को फायदा होगा। रिपोर्ट के अनुसार, जीएसटी सुधारों में सबसे बड़ा आश्चर्य निजी उपभोग और घरेलू उपभोग की वस्तुओं जैसे साबुन, शैंपू, हेयर ऑयल, पाउडर और टूथपेस्ट पर टैक्स में भारी कटौती थी। इन उत्पादों पर टैक्स 12–18 प्रतिशत से घटाकर केवल 5 प्रतिशत कर दिया गया है।

एक्स पर नैरेटिव लोग तय करते हैं, मस्क ने पीटर नवारो को दिया जवाब

नई दिल्ली ,09 सितंबर । टेस्ला और स्पेसएक्स के सीईओ एलन मस्क ने व्हाइट हाउस के सलाहकार पीटर नवारो द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर प्रोपेगेंडा फैलाने के आरोपों का जवाब देते हुए कहा कि उनके सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर नैरेटिव लोग तय करते हैं। मस्क और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के व्यापार सलाहकार पीटर नवारो के बीच यह बयानबाजियां भारत द्वारा रूसी तेल की खरीद को लेकर विवाद के बीच हुआ।

नवारो ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, भारत केवल लाभ के लिए रूसी तेल खरीदता है। रूस द्वारा यूक्रेन पर आक्रमण करने से पहले भारत ने तेल की कोई खरीद नहीं की। भारत सरकार की स्पिन मशीन तेज गति से चल रही है। यूक्रेनियों को मारना बंद करो। अमेरिकी नौकरियां छीनना बंद करो।

कम्युनिटी नोट्स द्वारा एक्स के फैक्ट चेक ने नवारो के कमेंट को मिसलीडिंग बताते हुए फ्लैग किया और कहा कि भारत की संप्रभु ऊर्जा खरीद अंतरराष्ट्रीय कानून का अनुपालन करती है।

नवारो ने इसके बाद मस्क की ग्रेप नोट्स की अनुमति देने के लिए आलोचना की। मस्क ने जवाब दिया, इस मंच पर लोग ही नैरेटिव तय करते हैं।आप किसी भी तर्क के सभी पक्षों को सुनें। कम्युनिटी नोट्स सभी को सही करता है, कोई अपवाद नहीं। नोट्स डेटा और कोड सार्वजनिक स्रोत हैं। ग्रोक आगे फैक्ट–चेकिंग प्रदान करता है। भारत सरकार ने भी चल रहे विवाद के बीच नवारो के बयानों को खारिज कर दिया और विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने उन्हें गलत और भ्रामक बयान बताया। नवारो ने पहले भारत की विदेश नीति की आलोचना की थी, तियानजिन में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन में रूसी और चीनी नेताओं के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हालिया मुलाकातों पर सवाल उठाया था और कहा था कि भारत को रूस के साथ नहीं, बल्कि हमारे साथ रहने की जरूरत है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत–अमेरिका संबंधों को एक बेहद खास रिश्ता बताया है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सराहना की है। ट्रंप चीन के हाथों भारत को खोने वाली अपनी पिछली टिप्पणी से पीछे हटते हुए दिखे और कहा, मैं प्रधानमंत्री मोदी का हमेशा दोस्त बना रहूंगा। इस टिप्पणी के कुछ घंटों बाद, भारतीय प्रधानमंत्री मोदी ने भी जवाब दिया कि वह राष्ट्रपति ट्रंप की भावनाओं की सराहना करते हैं और उनका पूरा सम्मान करते हैं।

पीओजेके पीएम खुलेआम कर रहे आतंकवाद का समर्थन, अमजद अयूब मिर्जा ने लगाया जिहादी संगठनों से गठजोड़ का आरोप

पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू और कश्मीर (पीओजेके) के प्रधानमंत्री चौधरी अनवर उल हक खुलेआम आतंकवाद का समर्थन करने और जिहादी संगठनों से गठजोड़ करने के लिए कड़ी आलोचना का सामना कर रहे हैं। पीओजेके कार्यकर्ता और राजनीतिक विश्लेषक अमजद अयूब मिर्जा ने उन पर कट्टरपंथी विचारधारा को बढ़ावा देने के लिए अपने पद का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया है और चेतावनी दी है कि उनके कृत्य क्षेत्र में शांति और स्थिरता के लिए सीधा खतरा हैं। एक कड़े बयान में मिर्जा ने आरोप लगाया कि हक अपनी जनसभाओं में चरमपंथी संगठनों को आमंत्रित कर रहे हैं और जिहाद का खुला आह्वान कर रहे हैं। मिर्जा ने कहा, देखिए, यह कोई रहस्य नहीं है कि पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू और कश्मीर के प्रधानमंत्री खुद सभी जिहादी संगठनों को अपनी जनसभाओं में आमंत्रित कर रहे हैं और अल–जिहाद, अल–जिहाद के नारे लगा रहे हैं और उन्होंने सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया है कि उनकी सरकार भारतीय कश्मीर में जिहाद को बढ़ावा देने जा रही है। उन्होंने सवाल उठाया कि आतंकवाद को बढ़ावा देने के लिए हक पर संयुक्त राष्ट्र द्वारा मुकदमा क्यों नहीं चलाया गया?

उन्होंने कहा कि वह खुलेआम आतंकवाद को बढ़ावा दे रहे हैं और उनके सार्वजनिक बयान, प्रेस बयान, मीडिया में उनके बयानों का हवाला दिया गया है, लेकिन वह अभी भी पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू–कश्मीर के प्रधानमंत्री बने हुए हैं। वह मुजफ्फराबाद और अन्य जगहों पर हो रही सभी रैलियों का समर्थन कर रहे हैं। मिर्जा ने क्षेत्र में गहरी जड़ें जमाए राजनीतिक दमन पर भी प्रकाश डाला और पीओजेके को पाकिस्तान के नियंत्रण में एक उपनिवेश से ज्यादा कुछ नहीं बताया। उन्होंने जोर देकर कहा कि पाकिस्तान के कब्जे वाला जम्मू–कश्मीर पाकिस्तान का एक उपनिवेश है और तथाकथित विधान सभा और पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू–कश्मीर की सरकार को सौंपे गए मुख्य कार्यों में से एक है जनता के असंतोष को दबाना, सरकार के खिलाफ जनता की लामबंदी को दबाना और नागरिक अधिकारों, आर्थिक अधिकारों और राजनीतिक अधिकारों के आंदोलन को दबाना।

हरे निशान में खुला भारतीय शेयर बाजार, आईटी शेयरों में उछाल

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को हरे निशान में खुला। शुरुआती कारोबार में निफ्टी आईटी सूचकांक 1.7 प्रतिशत की बढ़त के साथ तेजी में रहा।

सुबह करीब 9.23 बजे, सेंसेक्स 355 अंक या 0.44 प्रतिशत बढ़कर 81,142 पर कारोबार कर रहा था और निफ्टी 99 अंक या 0.40 प्रतिशत बढ़कर 24,873 पर था।

ब्रॉडकैप सूचकांक स्थिर रहे, निफ्टी मिडकैप 100 में 0.05 प्रतिशत की मामूली तेजी रही और निफ्टी स्मॉलकैप 100 में 0.01 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

इन्फोसिस ने हाल ही में घोषणा की कि कंपनी 11 सितंबर 2025 को होने वाली बैठक में इक्विटी शेयरों के बायबैक के प्रस्ताव पर विचार करेगी, जिसके बाद कंपनी के शेयर 3.35 प्रतिशत की तेजी के साथ मजबूत बढ़त में रहे और निफ्टी आईटी में तेजी दर्ज की गई। इसके अलावा, आईटी कंपनी विप्रो में भी 2.38 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई।

निफ्टी पैक में टेक महिंद्रा, टीसीएस, बजाज फिनसर्व टॉप गेनर्स रहे। वहीं, टाइटन, श्रीराम फाइनेंस, आईसीआईसीआई बैंक, टाटा कंज्यूमर और टाटा मोटर्स टॉप लूजर्स की लिस्ट में रहे।

सेक्टोरल फ्रंट पर, निफ्टी आईटी के अलावा, निफ्टी फार्मा 0.47 प्रतिशत और निफ्टी ऑटो 0.21 प्रतिशत की बढ़त के साथ हरे निशान में रहे। कई अन्य सूचकांकों में मामूली गिरावट दर्ज की गई।

विश्लेषकों ने कहा कि निफ्टी सूचकांक ने डेली चार्ट पर एक लॉन्ग अपर शैडो के साथ एक स्मॉल रेड कैंडल बनाई है, जो कंसोलिडेशन और अस्थिरता को दर्शाती है।

उन्होंने कहा, हालांकि निचले स्तरों पर खरीदारी की रुचि दिखाई दे रही है, 24,900–25,000 जोन एक कठिन बाधा बना हुआ है। सपोर्ट 24,620 स्तर पर है और जब तक निफ्टी 25,000 से नीचे कारोबार करता है, तब तक कुछ कंसोलिडेशन या हल्की कमजोरी बनी रह सकती है।

जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के मुख्य बाजार रणनीतिकार आनंद जेम्स ने कहा, 24,870 के स्तर पर पहुंचते ही ऊपर की ओर गति गायब हो गई, जिसे हमने कल एक महत्वपूर्ण धुरी के रूप में चिह्नित किया था। हालांकि नीचे की ओर मोड़ अचानक और तीव्र था। आगे की स्पष्टता के लिए हम 24,730–870 के स्तर से आगे बंद होने की उम्मीद करेंगे।

अमेरिकी बाजारों में डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज 0.25 प्रतिशत, नैस्डैक 0.45 प्रतिशत और एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.21 प्रतिशत की बढ़त में रहे।

अमेरिका में निवेशक अब दो प्रमुख मुद्रास्फीति रिपोर्टों का इंतजार कर रहे हैं, जो यह निर्धारित कर सकती हैं कि फेडरल रिजर्व के नीति निर्माता अगले सप्ताह अपनी बैठक में क्या फैसला लेंगे।

सुबह के सत्र में एशियाई बाजारों में मिला–जुला कारोबार हुआ। चीन का शंघाई सूचकांक 0.35 प्रतिशत और शेन्जेन 1 प्रतिशत की गिरावट में रहे। जापान का निक्केई 0.2 प्रतिशत, जबकि हांगकांग का हैंगसेंग सूचकांक 0.82 प्रतिशत की बढ़त में रहे। दक्षिण कोरिया का कोस्पी 1.08 प्रतिशत बढ़ा। विदेशी निवेशकों (एफआईआई / एफपीआई) ने शुक्रवार को भारतीय शेयरों से 2,170.35 करोड़ रुपए की शुद्ध बिकवाली की, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 3,014.30 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे।

केंद्रीय कर्मचारियों की बल्ले–बल्ले! डीए में 3प्रतिशत की बंपर बढ़ोतरी तय, खाते में आएगा 3 महीने का एरियर

नई दिल्ली ,09 सितंबर । आगामी त्योहारी सीजन से पहले केंद्र सरकार अपने 1.2 करोड़ से अधिक कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को एक बड़ा तोहफा देने की तैयारी में है। सूत्रों के मुताबिक, सरकार महंगाई भत्ते (ष्ठ) और महंगाई राहत (ष्ठक्र) में 3त्न की बढ़ोतरी का ऐलान करने जा रही है। इस फैसले के बाद कर्मचारियों का कुल डीए बढ़कर 58त्न हो जाएगा। इसका औपचारिक ऐलान अक्टूबर के पहले सप्ताह में होने की प्रबल संभावना है। जानकारी के अनुसार, यह बढ़ोतरी 1 जुलाई 2025 से लागू मानी जाएगी। इसका मतलब है कि कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को अक्टूबर की सैलरी के साथ जुलाई, अगस्त और सितंबर, इन तीन महीनों का एरियर (बकाया राशि) भी मिलेगा। सरकार द्वारा यह घोषणा खास तौर पर दिवाली (20–21 अक्टूबर) से ठीक पहले की जा रही है, ताकि त्योहारी मौसम में कर्मचारियों को महंगाई से अतिरिक्त राहत मिल सके। केंद्र सरकार 7वें वेतन आयोग की सिफारिशों के अनुसार साल में दो बार डीए और डीआर में संशोधन करती है। पहला संशोधन जनवरी से जून की अवधि के लिए और दूसरा जुलाई से दिसंबर की अवधि के लिए होता है। यह गणना औद्योगिक श्रमिकों के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (ष्टक्कढ्ढ–ढ्ढङ्ख) के 12 महीने के औसत के आधार पर की जाती है। जुलाई 2024 से जून 2025 तक के आंकड़ों के आधार पर डीए की दर 58त्न बनती है, जो मौजूदा 55त्न से 3त्न अधिक है।

जनपद सिंचाई बन्धु की बैठक सम्पन्न, सभी नहरों के टेल तक पानी पहुचाये जाने के दिये गये निर्देश

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बहराइच। उपाध्यक्ष सिंचाई बन्धु राघवेन्द्र प्रताप सिंह की

अध्यक्षता में कल्पीपारा कालोनी स्थित आफीसर्स फील्ड हॉस्टल में सिंचाई बन्धु समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में उपाध्यक्ष श्री सिंह द्वारा मोतीपुर कालोनी में अवैध रूप से रह रहे लोगों को पुन पत्र लिखकर जल्द से जल्द अतिक्रमण हटाये जाने को निर्देशित किया गया। वन विभाग से सम्बन्धित पत्र को मा. सांसद बहराइच डॉ आनन्द गोंड को भेजने के लिए भी निर्देशित किया गया। मैला ताल को वर्षा के पश्चात् साफ कराने के लिए निर्देशित किया गया। उपाध्यक्ष द्वारा जनपद की समस्त नहरों के टेल तक पानी पहुंचाने हेतु भी निर्देशित किया गया। इस अवसर पर सिंचाई विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

आन्दोलनकारियों ने पूर्व प्रधानमंत्री देउबा और उनकी पत्नी को घर में घुसकर ने पीटा

दैनिक बुद्ध का संदेश

कपिलवस्तु/नेपाल। पड़ोसी देश नेपाल की राजधानी काठमाण्डु में हिंसक विरोध प्रदर्शन कर रहे आन्दोलनकारियों ने पूर्व प्रधानमंत्री और नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष शेर बहादुर देउबा और उनकी पत्नी आरजू राणा देउबा की पिटाई कर दी। हिंसक विरोध प्रदर्शन कर रहे युवाओं ने सिंह दरबार और संसद भवन सहित शीर्ष नेताओं के घरों में आग लगा दी है। इसके अलावा, पार्टी कार्यालयों और पुलिस विभागों में भी लगातार तोड़–फोड़ और आगजनी की जा रही है। आपको बता दें कि आन्दोलनकारियों ने राष्ट्रीय स्वतन्त्र पार्टी (रास्वपा) के अध्यक्ष रवि लामिछाने को जेल से रिहा करा लिया है। सहकारी धोखाधड़ी के आरोप में वे ललितपुर के नक्खु जेल में बन्द थे। राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (रास्वपा) सूत्रों के अनुसार मंगलवार दोपहर पूर्व गृह मंत्री रवि लामिछाने को सुरक्षा प्रदान करने में असमर्थ रही पुलिस ने उन्हें उनकी पत्नी निकिता पौडेल के पास भेज दिया है।

काठमाण्डू के मेयर बालेंद्र ने प्रधानमंत्री ओली पर लगाया आरोप

दैनिक बुद्ध का संदेश

कपिलवस्तु/नेपाल। पड़ोसी देश नेपाल की राजधानी काठमाण्डु महानगर पालिका के मेयर बालेंद्र शाह (बालेन) ने प्रधानमंत्री केपी शर्मा श्ओलीश की आलोचना करते हुए आरोप लगाया। सोमवार को आन्दोलनकारियों द्वारा आयोजित राष्ट्रव्यापी विरोध प्रदर्शन में 19 लोगों की मौत के बाद बालेन ने सोशल मीडिया पर एक स्टेटस में प्रधानमंत्री ओली को श्आतंकवादीश कहते हुए कहा कि – श्तेरो भरौटेहरूको पो बा भइस। सोच्थी मैं कहिले बा हुन पाएको भए पो छोरा छोरीको मृत्युको पीडा बुझ्थिस। यस्तो आतङ्कवाद यो विश्वले कहिले देखेको थिएन त नेता त के मान्छे पनि बन्न सकेनस, आतङ्क बादी होस।" मेयर बालेन ने लिखा कि आप अपने नौकरों के लिए पिता बन गये हैं। अगर आप सचमुच कभी पिता होते, तो अपने बच्चों की मौत का दर्द समझते। दुनिया ने ऐसा आतंकवाद कभी नहीं देखा। इसलिए आप नेता तो दूर इंसान भी नहीं रहे, आप आतंकवादी बन गये हैं।

सोनौरा गांव में अंगूठा लगाने के बावजूद उपभोक्ताओं को नहीं मिला राशन, ग्रामीणों में आक्रोश

दैनिक बुद्ध का संदेश

जोगिया/सिद्धार्थनगर। जनपद सिद्धार्थनगर के विकास खण्ड जोगिया उदयपुर अन्तर्गत स्थित सोनौरा गांव में कोटेदार द्वारा

उपभोक्ताओं से राशन वितरण मशीन में अंगूठा लगवाने के बाद भी कोटेदार ने राशन नहीं दिया। इसके सम्बन्ध में ग्रामीणों ने अपना बयान देते हुए ग्रामीण आक्रोश में हैं। जिसका मंगलवार की दोपहर 2:00 के लगभग सोशल मीडिया में तेजी से वायरल हो रहा है। इस दौरान इन लोगों ने बताया कि इन्हें अंगूठा लगाने बाद भी राशन नहीं मिला।

50 बेड के संयुक्त चिकित्सालय की लापरवाही से मरीज परेशान

दैनिक बुद्ध का संदेश

बांसी/सिद्धार्थनगर। जिले के नगर पालिका परिषद बांसी स्थित

50 शैय्यायुक्त नवनिर्मित संयुक्त चिकित्सालय में अव्यवस्था चरम पर है। करोड़ों की लागत से बने इस अस्पताल से क्षेत्र के हजारों मरीजों को आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएं मिलने की उम्मीद थी, लेकिन अल्ट्रासाउण्ड और एक्स–रे मशीनें महीनों से धूल फांक रही हैं। मरीजों को आज भी निजी अस्पतालों और बाहर की लैब का सहारा लेना पड़ रहा है। सूत्रों का दावा डॉक्टर घर बैठे तनख्वाह ले रहे हैं। अस्पताल की कार्यप्रणाली पर गम्भीर सवाल उठ रहे हैं। सूत्रों के अनुसार अस्पताल में तैनात कुछ डॉक्टर घर बैठे ही वेतन उठा रहे हैं, जबकि मरीजों की देखभाल के लिए अस्पताल में मौजूद रहना चाहिए। इस लापरवाही का खामियाजा गरीब मरीजों को भुगतना पड़ रहा है। नवनिर्मित भवन, ओपीडी और ऑपरेशन थिएटर सुविधाएं कागजों तक सीमित अस्पताल के नवनिर्मित भवन में ओपीडी सेवाएं तो संचालित हैं और ऑपरेशन थिएटर की सुविधा भी मौजूद है, लेकिन अल्ट्रासाउण्ड और डिजिटल एक्स–रे मशीनें अब तक चालू नहीं हो पायी हैं। इस कारण मरीजों को जांच के लिए बाहर भेजा जाता है। वहीं अस्पताल में हड्डी रोग विशेषज्ञ, बेहोशी विशेषज्ञ, स्त्री एवं प्रसूत रोग विशेषज्ञ डॉक्टरों की नियुक्ति अब तक नहीं हुई है। गर्भवती महिलाओं और गम्भीर मरीजों को उचित इलाज के लिए निजी अस्पतालों का रुख करना पड़ता है, जिससे गरीब तबके के लोग सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। हालांकि अस्पताल में रोजाना हजारों मरीज इलाज कराने पहुंचते हैं और उन्हें सरकारी योजनाओं के तहत निःशुल्क चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाती है, लेकिन मशीनों के बन्द होने और विशेषज्ञ डॉक्टरों की कमी के कारण इलाज अधूरा रह जाता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि अस्पताल की इस बदहाल व्यवस्था के लिए जिम्मेदार अधिकारियों को तुरन्त संज्ञान लेना चाहिए। कई बार शिकायतें करने के बावजूद अब तक कोई ठोस कार्यवाई नहीं हुई है। वहीं क्षेत्रीय जनता ने जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग से मांग की है कि अल्ट्रासाउण्ड और एक्स–रे मशीनों को तत्काल चालू कराया जाये, साथ ही विशेषज्ञ डॉक्टरों की तैनाती की जाये ताकि बांसी और आस–पास के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकें।

चिकित्सकों और कर्मचारियों के रहने का आवास देख रेख के अभाव में दिनों दिन होता जा रहा जर्जर

दैनिक बुद्ध का सन्देश

पयागपुर/बहराइच। पयागपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सकों एवं कर्मचारी के रहने का आवास काफी जर्जर हालत में पहुंच गया है और जगह–जगह के प्लास्टर छूट कर नीचे गिर रहे हैं तथा छज्जे में भी दरार आ गई है और नीचे जीने से होकर ऊपर जाने पर आवास तक जो गली गई है उस पर जो छत पड़ा है उसके अंदर की लोहे की सरिया दूर से दिखाई पड़ रही है और उस जगह से प्लास्टर सहित छूट कर नीचे गिर गया है और ऐसे जोखिम हालत में डॉक्टर अपने आवास से अस्पताल आते और जाते हैं तथा जो बाउंड्री बनी है आवास के चारों तरफ वह बाउंड्री भी जगह–जगह टूटी है और प्लास्टर भी छूट कर नीचे गिरता जा रहा है काफी दिन हो गया चिकित्सकों के आवास और कर्मचारियों के आवास की ना तो मरम्मत हुई है और ना ही इसकी रंगाई पुताई हुई है।

कर्मचारियों के लिए बनाया गया आवास जो अब तक जर्जर हो चुका है लेकिन अपनी मजबूरी के तहत अस्पताल में बनाए गए आवास में कर्मचारी रहकर किसी तरीके से अपना जीवन यापन कर रहे हैं। काफी दिन हो गए बिल्डिंग की ना तो मरम्मत हुई है और ना ही इसकी रंगाई पुताई हुई है। सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार अस्पताल को बने हुए लगभग 30 साल हो गए लेकिन कभी भी अस्पताल में बने हुए चिकित्सकों और कर्मचारियों के आवास की तरफ कभी भी जिला अस्पताल प्रशासन का ध्यान नहीं गया जिस कारण से अस्पताल में रहने वाले कर्मचारी और चिकित्सक जोखिमपूर्ण तरीके से अपने आवास में रह रहे हैं जो आवास टाइप 1 से लेकर टाइप 6 तक चिकित्सक के रहने के लिए बने हैं उनकी भी स्थिति बहुत संतोषजनक नहीं है तथा रखरखाव के अभाव में बने आवास दिनों दिन जर्जर होते ही जा रहे हैं।

इस बारे में जब सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अधीक्षक धीरेंद्र त्रिपाठी से बात किया गया तो उन्होंने बताया कि अभी तक इस बारे में कोई पत्राचार नहीं किया गया है, लेकिन जल्द ही पत्राचार किया जाएगा।

किसान पहचान पत्र के नाम पर धोखाधड़ी से रहें सतर्क कृषक: उप कृषि निदेशक

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। उप कृषि निदेशक विनय कुमार वर्मा ने बताया कि भारत सरकार के निर्देशानुसार एवं मार्गदर्शन में एग्रीस्टैक योजना के अंतर्गत किसानों का ई–खसरा पड़ताल एवं किसान रजिस्ट्रेशन (फार्मर आईडी) बनाए जाने का कार्य कृषि विभाग, राजस्व विभाग एवं कॉमन सर्विस सेंटर की सक्रिय भागीदारी से संचालित किया जा रहा है। हाल ही में संज्ञान में आया है कि कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा सीएससी/जनसुविधा केन्द्र एवं संबद्ध एजेंसियों द्वारा भौतिक/ऑफलाइन मोड में किसान पहचान पत्र जारी करने की गलत व अवैधानिक गतिविधियाँ की जा रही हैं। इस प्रकार की गतिविधियों का न तो कृषि विभाग से कोई संबंध है और न ही यह योजना का हिस्सा है। उप कृषि निदेशक श्री वर्मा ने बताया कि कृषि निदेशक, उत्तर प्रदेश, लखनऊ के स्तर से स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि एग्रीस्टैक योजना के अंतर्गत किसी भी प्रकार का भौतिक/ऑफलाइन किसान पहचान पत्र जारी नहीं किया जा रहा है। केवल ऑनलाइन माध्यम से किसान पंजीकरण का कार्य ही वैध है। श्री वर्मा ने कृषकों से अपेक्षा की है कि ऐसे भ्रामक प्रयासों से सतर्क रहें।

किसी भी प्रकार के पहचान पत्र (फार्मर आईडी) अथवा उसकी फोटो कॉपी को किसी भी संस्था द्वारा वितरित करना या प्रकाशित करना पूर्णतः प्रतिबंधित है। किसान भाइयों से अनुरोध है कि यदि इस प्रकार का कोई मामला कहीं पर भी सामने आता है तो तत्काल इसकी सूचना अपने जनपद के कृषि विभाग/राजस्व विभाग के अधिकारियों को दें। इसके अतिरिक्त टोल–फ्री नंबर 0522–2317003 पर भी जानकारी दी जा सकती है। उन्होंने सभी किसानों से अपील की है कि वे केवल अधिकृत माध्यमों से ही किसान रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया पूर्ण करें और किसी भी प्रकार की धोखाधड़ी से बचें।

त्रिलोकपुर के अहिरौली पड़री में व्यक्ति का मिला शव, जांच में जुटी पुलिस

दैनिक बुद्ध का संदेश

भनवापुर/सिद्धार्थनगर। थाना क्षेत्र त्रिलोकपुर के अहिरौली गांव में एक व्यक्ति का शव तालाब में मिला है। मृतक की पहचान

54 वर्षीय रविन्द्र तिवारी के रूप में हुई है। वह कौशल किशोर तिवारी के पुत्र थे। रविन्द्र तिवारी रविवार से लापता थे। परिजनों ने त्रिलोकपुर थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। सोमवार सुबह उनका शव गांव के दक्षिण–पश्चिम स्थित सिवान के तालाब में तैरता मिला। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीण एकत्र हो गये। परिजनों में शोक की लहर है। सूचना पाकर त्रिलोकपुर पुलिस मौके पर पहुंची। थाना प्रभारी रामदेव ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है। रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जायेगी।

खुनुवा समेत शोहरतगढ़ ब्लॉक के 5 गाँव में सोसल ऑडिट सम्पन्न

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। मंगलवार को शोहरतगढ़ विकास खंड के ग्राम पंचायत करमा, कौथा, खरगवार, खुनुवा एवं कोइरीडीहा में सोशल ऑडिट का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। करमा में सोसल ऑडिट अनुराधा शर्मा, कौथा में अरविन्द चौधरी, खरगवार में दुर्गेश नंदनी, खुनुवा मेराम पाल मौर्य एवं कोइरीडीहा में राम नेवास चौधरी की देखरेख में सोसल ऑडिट का कार्य पूर्ण किया गया। कार्यक्रम के उद्देश्य को लेकर अधिकारियों ने बैठकों में कराये गये सभी कार्यों की जानकारी दी और कहा कि सोसल ऑडिट में कराये गये सभी कार्यों की जमीनी पड़ताल किया जाता है ताकि कार्यों में पारदर्शिता सुनिश्चित किया जा सके। इस दौरान मनरेगा योजनाओं से कराये गये सभी कार्यों का सत्यापन किया गया। कार्यक्रम में आये मनरेगा मजदूरों एवं ग्रामीणों को सम्बोधित करते हुए कहा कि लाभार्थियों को उनके अधिकारों की जानकारी होनी चाहिए, क्योंकि योजनाओं की निगरानी में ग्राम वासियों की भूमिका अहम है। इस दौरान करमा प्रधान प्रतिनिधि शिवशंकर चौधरी, कौथा प्रधान प्रतिनिधि रामकुमार चौरसिया, खरगवार प्रधान प्रतिनिधि शैलेश कुमार, खुनुवा ग्राम प्रधान संजय कुमार, कोइरीडीहा प्रधान प्रतिनिधि विनोद कुमार शर्मा के साथ–साथ सुनील कुमार गुप्ता, अनिल पाण्डेय, रामलखन, अमरनाथ व किसलावती पंचायत सहायक, रोजगार सेवक, कोटेदार, सफाईकर्मी, सहित दर्जनों ग्रामीण उपस्थित रहे।

वीडियो पर कमेन्ट करने को लेकर जान से मारने और जाति सूचक गली देने का लगाया आरोप

दैनिक बुद्ध का संदेश/रवि जायसवाल

सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थनगर थाना क्षेत्र के महारिया निवासी

राजदेव साहनी पुत्र रामदेव साहनी निवासी रेहरा जो कि अपनी नानी के घर महारिया में रहता है आरोप लगाया है कि इरशाद पुत्र अज्ञात और रेहान पुत्र शकील द्वारा गोल बंद होके उसके घर में घुस कर जाती सूचक गाली देते हुए जान से मारने की धमकी दी और मारा पीटा। आज हम लोग सिद्धार्थनगर के थाना अध्यक्ष सदर को ज्ञापन सौंपा गया अगर इस मामले में कार्रवाई नहीं हुआ तो पूरे जनपद में आंदोलन किया जाएगा जिसकी जिम्मेदारी शासन–प्रशासन होगा ज्ञापन देने वाले बजरंगदल जिला संयोजक सुरेश गुप्ता, प्रखंड संयोजक सौरभ रस्तोगी, जिला विद्यार्थी प्रमुख मोहित गुप्ता, शारदा विश्वास, बिपनु अन्य कार्यकर्ताओं द्वारा एफआईआर दर्ज करवाया गया।

शोहरतगढ़ में पांच दिवसीय प्रशिक्षण का हुआ शुभारंभ

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। शोहरतगढ़ बीआरसी में मंगलवार को बुनियादी भाषा एवं संख्या ज्ञान एफएलएन तथा एनसीईआरटी पाठ पुस्तकों पर आधारित पांच दिवसीय प्रशिक्षण का शुभारंभ हुआ। प्रशिक्षण में शोहरतगढ़ ब्लाक के विभिन्न विद्यालयों से प्रतिभाग कर रहे शिक्षकों को प्रशिक्षकों द्वारा पहले दिन गणित मेला आधारित जानकारी साझा की गई। प्रशिक्षक प्रवीण कुमार यादव, मनोज कुमार यादव, आनन्द प्रकाश, सतेन्द्र प्रताप ने बुनियादी शिक्षा के अंतर्गत भाषा एवं संख्या ज्ञान के बारे में जानकारी को शिक्षकों के बीच साझा किया। खंड शिक्षा अधिकारी शोहरतगढ़ संजय कुमार ने मां सरस्वती के चित्र पर पुष्प अर्पित व दीप प्रज्ज्वलित कर प्रशिक्षण का शुभारंभ किया। प्रार्थना व प्रेरणा गीत से प्रशिक्षण सत्र कार्यक्रम को आगे बढ़ाया गया। पचास–पचास की संख्या में शिक्षकों ने दो कमरों में प्रशिक्षण शुरू किया प्रशिक्षण में लालजी यादव, मा शंकर त्रिपाठी, मणिकांत उपाध्याय, राजीव धर द्विवेदी, मनमोहन सुरेंद्र गुप्ता, राजेश यादव, प्रदीप मौर्या, सरोज रानी, पूनम विश्वकर्मा, रोहिणी चौधरी, अर्चना गुप्ता, प्रमोद कुमार त्रिपाठी, विजय बहादुर, सजनलाल, अनिल कुमार, मदन कुमार, ममता यादव, सुनीता पटेल, रागिनी सिंह, सपना रानी, प्रिया, अवधेश कुमार पाल, घनश्याम शुक्ला, आनंद गौतम, अरुण कुमार, बालकृष्ण, छाया शर्मा, कन्हैया मौर्य, ललिता मिश्रा, नीलम पाण्डेय, सुनील कुमार गुप्ता, आदि लोग मौजूद रहें।

पीड़ित ने चोरी कि घटना कि शिकायत की तो रुधौली पुलिस ने उसका ही कर दिया चालान

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। रुधौली थाना क्षेत्र के बिशनपुरवा चौकी के समीप एसके गारमेंट से 80000 की छिनैति का मामला सामने आया है शाम 8:00 बजे एसके गारमेंट पर दो बाइक सवार अज्ञात व्यक्ति पहुंचकर कपड़ा लेने की बात कह कर अंदर आए और सत्य कुमार चौधरी को मारपीट कर 80000 लेकर भाग निकले भागते हुए लोगों की फोटो व गाड़ी संख्या UP51Bj8151पल्सर एम टी बाईक कैमरे में कैद किया गया घटनास्थल के थोड़ी ही दूर पर बिशनपुरवा चौकी के इंचार्ज जय हिंद यादव व प्रभारी निरीक्षक रुधौली को सूचना से अवगत कराया गया सूचना से अवगत के पश्चात सत्य कुमार चौधरी कोई विभिन्न धाराओं में चालान कर दिया जाता है धारा170ए126ए135BNS पीड़ित सत्य कुमार जमानत के बाद गोरखपुर एजी आईजी डीआईजी कमिश्नर आला अधिकारियों को शिकायती पत्र देकर सीनियरिटी की जांच करवाने के लिए गुहार लगाई योगी सरकार के जीरो टैलेंस नित को रुधौली पुलिस दिख रही थी ना पुलिस चौकी के समीप हो रही चुनौती काफी चर्चा का विषय बना हुआ है।

भारत में सुयोग्य नागरिक तैयार करने का केन्द्र बन रहा है बसहवां का सरस्वती विद्या मंदिर: योगी आदित्यनाथ

सरस्वती विद्या मंदिर, रामबाग के नए प्रस्तावित भवन का बसहवां में मुख्यमंत्री ने किया शिलान्यास

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री पूज्य योगी आदित्यनाथ जी ने आज सरस्वती विद्या मंदिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय रामबाग बस्ती के नए प्रकल्प सरस्वती विद्या मंदिर, बसहवा के प्रस्तावित भवन का शिलान्यास किया। ज्ञात हो कि सरस्वती विद्या मंदिर में बढ़ती हुई छात्र संख्या को देखते हुए विद्या भारती के अधिकारियों और विद्यालय प्रबंध समिति ने निर्णय लिया था कि शहर के कोलाहल से दूर किसी रम्य स्थान पर नए विद्यालय की स्थापना की जाए। इसी को दृष्टिगत रखते हुए बसहवा में जमीन क्रय की गई, जिस पर विद्यालय के नए भवन के निर्माण हेतु आज प्रदेश के मुख्यमंत्री पूज्य योगी आदित्यनाथ जी द्वारा शिलान्यास किया गया। मुख्यमंत्री का स्वागत विद्यालय के घोषदल द्वारा किया गया। उनके आयोजन स्थल पर पहुंचते ही भारत माता की जय से पूरा पंडाल गूंज उठा। लोगों का उत्साह देखते ही बनता था। माननीय मुख्यमंत्री ने सर्वप्रथम विद्यालय के प्रस्तावित भवन का शिलान्यास किया। उन्होंने इस अवसर पर हरिशंकरी पौधे का आरोपण भी किया। कार्यक्रम का प्रारंभ वैदिक मंत्रोच्चार के बीच मुख्यमंत्री पूज्य योगी जी द्वारा दीप प्रज्ज्वलन एवं मां सरस्वती, ओम और भारत माता के चित्र पर पुष्पार्चन से हुआ। विद्यालय की संगीत टोली ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री गोविंद सिंह जी द्वारा मंचासीन अतिथियों का परिचय एवं स्वागत किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के भैया – बहनों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए। मंच पर पूज्य योगी आदित्यनाथ जी के अतिरिक्त कार्यक्रम के अध्यक्ष मा. हेमचंद्र, क्षेत्र संगठन मंत्री विद्या भारती, विशिष्ट अतिथि मा. रमेश जी प्रांत प्रचारक, गोरक्ष प्रांत, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, डॉ. सौरभ मालवीय विद्या भारती के क्षेत्रीय मंत्री, प्रांतीय मंत्री गोरक्ष प्रांत डॉ. शैलेश कुमार सिंह, प्रदेश निरीक्षक श्री राम सिंह, विद्यालय के कोषाध्यक्ष श्री प्रहलाद मोदी, विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री गोविंद सिंह, हरैया विधानसभा के विधायक श्री अजय सिंह और भाजपा के जिला अध्यक्ष श्री विवेकानंद शुक्ल की भी गरिमामयी उपस्थिति रही। अपने संबोधन में कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश के मुख्यमंत्री पूज्य योगी आदित्यनाथ जी ने विद्या भारती की चर्चा करते हुए विद्यालय के नवीन परिसर की आवश्यकता के बारे में प्रकाश डाला और कहा कि भारतीय पद्धति के अनुरूप शिक्षा व्यवस्था सरकार की जिम्मेदारी है। तत्कालीन सरकारों ने शिक्षा के लिए कोई विशेष प्रबंध नहीं किया। सरकार की मर्जी, वह शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग करें ना करें या भी सरकार तय करती है। भारतीयता के प्रति अनुराग रखने वाले लोगों के माध्यम से सरस्वती शिशु मंदिर और विद्या मंदिर ने इस कार्यक्रम को आगे बढ़ाया। गोरखपुर में पहला सरस्वती शिशु मंदिर 1952 ईस्वी में स्थापित हुआ था। उसमें छात्रों की संख्या मात्र पांच थी। सरस्वती शिशु मंदिर पांच संख्या से प्रारंभ होता है और आज 12000 से भी अधिक केवल सरस्वती शिशु मंदिर और विद्या मंदिर स्थापित हो चुके हैं। केवल ऐसे विद्यालय ही वे संस्थान हैं जो पूरी प्रतिबद्धता के साथ विद्यालय चला रहे हैं कौन सरकार रहे, कौन ना रहे, पाठ्यक्रम सरकार क्या दे रही है इसकी परवाह के बगैर बच्चों के अंदर भारत और भारतीयता के प्रति एक नागरिक के रूप में कर्तव्य के रूप में, कर्तव्य का बोध कराने के रूप में, भारत को सुयोग्य नागरिक देने के रूप में अपने इस राष्ट्रीय ईमानदारी पूर्वक निर्वहन कर रहे हैं। यही कारण है सरस्वती शिशु मंदिर से निकले हुए छात्र आज जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में समाज को नेतृत्व भी दे रहे हैं, समाज का मार्गदर्शन भी कर रहे हैं, समाज को एक नई गति देकर प्रधानमंत्री मोदी जी के विकसित भारत के संकल्प के साथ जुड़े हैं। उन्होंने आगे कहा कि कोई भी देश शक्तिशाली हो, समर्थ हो, आत्मनिर्भर हो, इसकी शुरुआत होती है शिक्षा से। दुनिया के अंदर जब समृद्धि की चर्चा होती है और उनके द्वारा जो पैरामीटर तय होते हैं, उसमें सबसे पहले पैरामीटर का शिक्षा का है। शिक्षा कैसी होनी चाहिए, शिक्षा के पीछे का उद्देश्य क्या होना चाहिए, शिक्षा के बाद स्वास्थ्य को प्राथमिकता दी जाती है, स्वास्थ्य के बाद कृषि और जन संसाधन को प्राथमिकता दी जाती है, कौशल विकास को इसके साथ जोड़ा जाता है और फिर पर्यावरण को ध्यान में रख करके सरकार नीतियां बनाती है। हम तभी समग्र विकास के लक्ष्य को प्राप्त करने में सफल हो पाएंगे। समग्रता के उस लक्ष्य को प्राप्त करने की मंशा के साथ कोई अभियान आगे बढ़ता है तो वह केवल उस देश के हित में बल्कि मानवता के कल्याण का मार्ग भी प्रशस्त होता है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि यह केवल एक विद्यालय के भूमि पूजन का और शिलान्यास का कार्यक्रम नहीं है बल्कि विद्या भारती द्वारा भारत में सुयोग्य नागरिक तैयार करने का एक नया केंद्र विकसित हो रहा है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री जी ने मोदी सरकार और अपनी सरकार की उपलब्धियों की चर्चा भी की। उन्होंने आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में मोदी जी के पंच प्रण विकसित भारत, गुलामी से मुक्ति, विरासत पर गर्व, एकता और एकजुटता तथा नागरिकों के कर्तव्य की याद भी दिलाई और मोदी सरकार के 25 वर्षों के दूरदर्शी विजन के बारे में बताया विद्यालय के प्रबंधक डॉ. सुरेन्द्र प्रताप सिंह ने सभी आगंतुकों के प्रति आभार ज्ञापन किया। शांति मंत्र के साथ इस भव्य कार्यक्रम का समापन हुआ।

भारतीय किसान संघ ने किसानों की समस्याओं को लेकर एडिओ पंचायत को सौंपा मांग पत्र

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। घोरावल क्षेत्र पंचायत कार्यालय पर मंगलवार को भारतीय किसान संघ उत्तर प्रदेश द्वारा किसान समस्याओं के संबंध में पांच सूत्री मांग पत्र खंड विकास अधिकारी नितिन कुमार को मांग पत्र में दिया गया। खरीफ की प्रमुख फसल धान के लिए अब तक प्रचुर मात्रा में यूरिया एवं डीएपी उपलब्ध न होने के कारण किसानों की खेती प्रभावित हुई है इसे देखते हुए आगामी रबी की फसल के लिए साधन सहकारी समितियों पर पर्याप्त मात्रा में डीएपी एवं यूरिया तथा बीज की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। सिंचाई के लिए विकासखंड की बंदियों से निकली नहरों की सफाई के साथ झालों की मरम्मत की जाए जिससे रबी की फसल के समय नहरों से पानी छोड़ा जाए तो पानी खेत तक पहुंच सके। अच्छी वर्षा होने के कारण विकासखंड के पूरे रकबे में धान की खेती हुई है धान खरीद का लक्ष्य बढ़ाया जाए तथा सत्यापन प्रक्रिया सरल किया जाए जिससे किसानों को धान बेचने में किसी तरह की समस्या का सामना न करना पड़े। रबी की फसल की सिंचाई के लिए किसानों को सब स्टेशनों से निर्बाध रूप से कम से कम 18 घंटे विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित किया जाए जिससे किसानों की फसल की सिंचाई हो सके। जनपद में टमाटर मिर्चा उत्पादक जिला है बाढ़ से धान के साथ ही टमाटर और मिर्च की खेती प्रभावित हुई है। विभिन्न किसानों को बीमा राशि दिलाई जाए अन्य प्रभावित किसानों को भी फसल आकलन कर राहत उपलब्ध कराया जाए। भारतीय किसान संघ विकासखंड घोरावल सोनभद्र इकाई द्वारा मांग पत्र अध्यक्ष रामविलास मौर्य, मंत्री सुभाष चंद्र पाल, काशी प्रांत उपाध्यक्ष रामजी मौर्य, प्रभु पाल, चंदमा सिंह, दरोगा मौर्य, रविंद्र मौर्य, बनारसी पटेल, रामबली पटेल, शिवकुमार पटेल, बेचन प्रसाद, गणेश पटेल सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

भारतीय किसान संघ नें किसानों की समस्या को लेकर मुख्यमंत्री सम्बोधित ज्ञापन खंड विकास अधिकारी को सौंपा

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। भारतीय किसान संघ के ब्लॉक अध्यक्ष रमेश सिंह पटेल की अगुवाई में मंगलवार को किसानों ने खाद,बिजली एवं अत्यधिक वर्षा से धान,टमाटर एवं मिर्च की फसलों को हुए नुकसान का आकलन कराकर मुआवजा दिलाने की मांग को लेकर मुख्यमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन खंड विकास अधिकारी के प्रतिनिधि ए. डी. ओ. आईएसबी को सौंपा। किसानों ने पांच सूत्रीय ज्ञापन में धान की फसलों के लिए पर्याप्त मात्रा में यूरिया एवं डीएपी उपलब्ध कराने और गेहूं की बुवाई के लिए पहले से व्यवस्था करने, क्षेत्र की नहरों एवं झालों के मरम्मत करने, धान के उत्पादन को देखते हुए खरीद का लक्ष्य बढ़ाने, 18 घंटे विद्युत आपूर्ति करने एवं धान टमाटर एवं मिर्च की खेती के अत्यधिक वर्षा से हुए नुकसान का आकलन करवाकर किसानों को मुआवजा दिलाने की मांग की गई है। उक्त अवसर पर उक्त अवसर पर रमेश प्रसाद रणजीत मौर्य, जय प्रकाश, पवन कुमार, आलोक, पारस, अजय मौर्य, राजेश सिंह समेत दर्जनों किसान मौजूद रहें।

मंगल संस्कृत महाविद्यालय में टैबलेट पाकर छात्रों के खिले चेहरे

दैनिक बुद्ध का संदेश

बांसी। स्वामी विवेकानन्द युवा सशक्तिकरण योजना के तहत मंगल संस्त महाविद्यालय (गौरी) बांसी के छात्रों को मंगलवार को टैबलेट वितरण किया गया। जिसमें प्रबन्धक बृजेन्द्र प्रताप नारायन विशिष्ट अतिथि बृजेश कुमार पाण्डेय प्रदेश संगठन मंत्री उत्तर प्रदेश संस्त शिक्षक संघ एवं प्राचार्य अश्वनी कुमार मिश्र ग्राम, प्रधान मनोज द्विवेदी, आमन्त्रित शिक्षक द्विजेन्द्र मणि त्रिपाठी, गोवर्धन शर्मा,दिवाकर मिश्र,अनुचर झिनकन गौड़ आदि तमाम लोग उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि ने कहा कि शिक्षण की गई शिक्षा को आप सब अपने जीवन में आत्मसात करें तो वही बृजेश कुमार पाण्डेय ने कहा कि टैबलेट से उच्च शिक्षा ग्रहण करना सहयोगी होगा। छात्र अधिक से अधिक संस्त विद्यालयों में नामांकन करायें तथा अपनी संस्कृति को बचाए तथा आम जनमानस कि बोल चाल की भाषा के रुप में प्रयोग करे जिससे भारतीय संस्कृति और संस्त के संरक्षण को बल मिले। हमारी संस्कृति और संस्कार दोनों की दिशा और दशा को बदलने का काम करें जिससे हमारी संस्कृति और संस्कृत का उत्थान, प्रचार प्रसार हो तथा समृद्ध हो।

विजली के पोल में होल कब गिर जाय कोई भरोसा नहीं

दैनिक बुद्ध का संदेश

करमा/सोनभद्र। करमा बाजार के बीच हीरालाल के मकान के पास लगा लोहे के पोल में इस पार से उस पार तक बड़ा छेद हो गया किनारे थोड़ा सा पकड़ा हुआ है जो कभी भी गिर सकता है लोगो द्वारा ऐसी सम्भावना व्यक्त की जा रही लोगो ने बताया कि इसकी जानकारी स्थानीय लव जायसवाल द्वारा 1912 पर दी गयी थी लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई उन्होंने बताया कि हमारे द्वारा क्षेत्रिय जनप्रतिनिधियों को भी मौखिक मौके पर लगभग 6 महिने पहले दिखाया जानकारी दी गयी लेकिन अभी जस के तस पड़ा हुआ है कभी भी बड़ी दुर्घटना हो सकती है स्थानीय लव जायसवाल हीरालाल पटेल संदीप मौर्य राकेश केशरी पिन्टू पटेल आदि ने सम्बन्धित विभाग व जनप्रतिनिधियों का ध्यान आकर्षित कराया है।

डेन्टल कैम्प में दांतों की साफ सफाई के प्रति किया गया जागरूक

डेन्टल कैम्प में बच्चों को पेस्ट व साबुन वितरित

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। डम्नी विकास खण्ड के प्राथमिक विद्यालय असनहर प्रथम प्रथम मंगलवार को डेन्टल कैम्प का आयोजन किया गया इस आयोजन में बच्चों को दांतों की साफ सफाई के बारे में बताया गया। प्राथमिक विद्यालय असनहर प्रथम पर हिंडालको ग्रामीण विकास विभाग रेनूकूट के द्वारा डेंटल कैंप का आयोजन किया गया।कैम्प 140 छात्र–छात्राओं को दांतों की सफाई के बारे में जानकारी दिया गया। चिकित्सक डा आकिफ जावेद ने बच्चों से दांतों की सफाई के बारे जानकारी ली बाद में दांत साफ करने के नियम और समय की जानकारी दिया इस दौरान 140 बच्चो को पेस्ट और साबुन वितरण किया गया। इस अवसर पर हिंडालको ग्रामीण विकास विभाग के डॉक्टर आकिफ जावेद, ओपी सिंह, विजय कुमार, मुख्य ब्लॉक संयोजक लालकेश कुशवाहा, सहायक अध्यापक तिवारी सहित अन्य शिक्षक मौजूद रहें।

करमा धर्मशाला में लगा कुड़े का अम्बार सफाई की मांग

दैनिक बुद्ध का संदेश

करमा/सोनभद्र। करमा बीच बाजार रामलीला मैदान से नजदीक स्थित धर्मशाला एक सार्वजनिक स्थल जहा बैठकर लोग आराम करते थे कही आने जाने के लिये बस का इन्तजार करते थे लोग दूर दराज से आते थे तो यहा रुकते थे गरीब असहाय लोगों के वरदान था लेकिन आज अपनी दुर्दशा पर आंसू बहा रहा है चारो तरफ कुड़ा शराब की शीशी बोतलें फैली हुई ऐसा लगता है जैसे स्थानीय प्रतिनिधि इसको लेकर उदासीन है मानों सफाई कर्मी की नजर ही कभी यहा न पड़ी हो लोगों की मानें तो धर्मशाला नशेड़ियों का अड्डा बन गया यहा अच्छे लोग जाने से कतराते हैं यहा पड़े कुड़ो के बीच में पड़ी शराब की बोतलें तो यही गवाही देते हैं स्थानीय लोगों ने इस ओर सम्बधित लोगों का ध्यान आकर्षित कराया है।

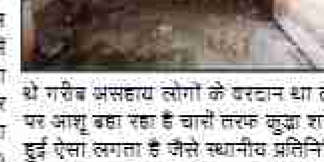

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक- श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स, ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट-हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद- सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादक- राजेश कुमार शर्मा
आर.एन.आई. नं.-UPHIN/2012/49458 9415163471, 9453824459 दैनिक बुद्ध का संदेश 9795951917,9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद जनपद- सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

बाक्स आफिस पर परम सुंदरी पडने लगी कमजोर,पार किया 46 करोड़ रुपये का आंकड़ा

सिद्धार्थ मल्होत्रा और जाह्नवी कपूर की रोमांटिक कामेडी फिल्म परम सुंदरी को सिनेमाघरों में रिलीज का दूसरा सप्ताह चल रहा है और यह बाक्स आफिस पर सुस्त रफ्तार से आगे बढ़ रही है। भले ही कामकाजी दिनों में इस फिल्म का बाक्स आफिस पर जादू नहीं चला, लेकिन वीकेंड पर इसकी दैनिक कमाई में बढ़ोतरी देखने को मिली है। आइए जानें परम सुंदरी ने 10वें दिन बाक्स आफिस पर कैसा प्रदर्शन किया है।बाक्स आफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, परम सुंदरी ने अपनी रिलीज के 10वें दिन यानी दूसरे रविवार को 2.50 करोड़ रुपये की कमाई की। इसी के साथ फिल्म ने अब तक घरेलू बाक्स आफिस पर 46 करोड़ रुपये का कारोबार कर लिया है। दुनियाभर में परम सुंदरी ने 70 करोड़ रुपये से अधिक कमाए हैं। परम सुंदरी के निर्देशक तुषार जलोटा हैं। इसमें रेन्जी पणिक्कर, सिद्धार्थ शंकर, मनजोत सिंह, संजय कपूर और इनायत वर्मा जैसे कलाकार भी दिख रहे हैं।परम सुंदरी में सिद्धार्थ दिल्ली के एक अमीर कारोबारी का किरदार निभा रहे हैं। उधर जाह्नवी एक ऐसी लड़की की भूमिका निभा रही हैं जो केरल से ताल्लुक रखती है और पेशे से एक कलाकार है। फिल्म की पूरी कहानी उन्हीं की प्रेम कहानी के इर्द–गिर्द घूमती है फिल्म में दिखाया गया है कि कैसे 2 एकदम अलग–अलग मिजाज के लोग एक–दूसरे के प्यार में पड़ जाते हैं। परम सुंदरी जल्द ही ओटीटी प्लेटफार्म अमेजन प्राइम वीडियो पर दस्तक देगी।

बाक्स आफिस पर द बंगाल फाइल्स की कमाई में मामूली बढ़त, तीसरे दिन हुआ इतना कोराबार

विवेक अग्निहोत्री के निर्देशन में बनी फिल्म द बंगाल फाइल्स से निर्माताओं को बड़ी उम्मीदें थी, लेकिन यह बाक्स आफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकी। मिथुन चक्रवर्ती, पल्लवी

जोशी, अनुपम खेर, दर्शन कुमार और सिमरत कौर मुख्य भूमिका वाली इस फिल्म की शुरुआत बेहद ठंडी रही। हालांकि, वीकेंड पर फिल्म के कारोबार में मामूली इजाफा देखने को मिला। आइए जानें फिल्म द बंगाल फाइल्स ने तीसरे दिन कितने करोड़ रुपये कमाए हैं।बाक्स आफिस का ब्योरा रखने वाली वेबसाइट सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, द बंगाल फाइल्स ने अपनी रिलीज के तीसरे दिन यानी पहले रविवार को 2.75 करोड़ रुपये कमाए, जिसके बाद इसका कुल बाक्स आफिस कलेक्शन 6.65 करोड़ रुपये हो गया है। द बंगाल फाइल्स ने 1.75 करोड़ रुपये के साथ बाक्स आफिस पर बेहद खराब शुरुआत की थी, वहीं दूसरे दिन इसने 2.15 करोड़ रुपये का कारोबार किया। फिल्म का अनुमानित बजट 50 करोड़ रुपये बताया जा रहा है।द बंगाल फाइल्स भारतीय इतिहास और राजनीति की सच्ची घटनाओं से प्रेरित एक फिक्शन ड्रामा फिल्म है। ये 1940 के दशक में पश्चिम बंगाल में हुई सांप्रदायिक हिंसा को दर्शाती है, जिसमें डायरेक्ट एक्शन डे और नोआखली के भयावह दंगों के दुखद परिणामों को पर्दे पर लाया गया है। इसमें शाश्वत चटर्जी, नमाशी चक्रवर्ती और सौरव दास जैसे कलाकार भी दिख रहे हैं। बाक्स आफिस पर द बंगाल फाइल्स का सामना परम सुंदरी और बागी 4 से हो रहा है।

उर्मिला मातोंडकर ने रंगीला के 30 साल पूरे होने का मनाया जश्न, जमकर किया डांस

राम गोपाल वर्मा की फिल्म रंगीला बालीवुड की कालजयी फिल्मों में से एक है। इसमें आमिर खान, उर्मिला मातोंडकर और जैकी श्राफ की तिकड़ी नजर आई थी। यह फिल्म 8 सितंबर, 1995

को रिलीज हुई थी और यह बाक्स आफिस पर सुपरहिट साबित हुई। रंगीला ने रिलीज के 30 साल पूरे कर लिए हैं। इस मौके पर उर्मिला ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा किया है, जिसमें वह याई रे याई रे गाने पर डांस करती दिख रही हैं।उर्मिला ने वीडियो साझा करते हुए कैप्शन में लिखा, रंगीला, सिर्फ एक फिल्म नहीं थी, यह एक अहसास था और आज भी है। इसमें खुशी, उम्मीद, सपने, संघर्ष जैसी कई बातें शामिल थीं, यह जिंदगी का एक जश्न था। हर दृश्य हमें मासूमियत भरी दुनिया में ले जाता है। इस फिल्म से एक मासूम लड़की बड़े पर्दे पर आती है और लोगों के दिलों पर छा जाती है। आज से 30 साल पहले रंगीला से आपका परिचय हुआ था।उर्मिला ने आगे लिखा, मुझे यकीन है कि आज भी इसमें आपको पहले वाले वक्त में वापस ले जाने की ताकत है। मुझे अपने जिंदगी का हिस्सा बनाने के लिए। इतने प्यार से गले लगाने के लिए और उस मुकाम पर पहुंचाने के लिए शुक्रिया। रंगीला की बात करें तो इस फिल्म ने दुनियाभर में 33.45 करोड़ रुपये का कारोबार किया था, जबकि इसका बजट 8 करोड़ रुपये था। इस फिल्म को आप अमेजन प्राइम वीडियो पर देख सकते हैं।

अहान पांडे–अनीत पड्डा की सैयारा ओटीटी पर हो रही रिलीज, 12 सितंबर को नेटफ्लिक्स पर होगी स्ट्रीम

बालीवुड में सालों बाद रूहानी रोमांस का सिलसिला अनीत पड्डा और अहान पांडे की डेब्यू फिल्म सैयारा के साथ शुरू हुआ। इस फिल्म की कहानी और म्यूजिक ने दर्शकों का दिल जीत लिया, इसी के साथ इसने बाक्स आफिस पर धमाल मचा दिया और रिकार्ड तोड़ कलेक्शन किया, 50 दिनों का थियेट्रिकल रन पूरा करने के बाद अब ये फिल्म डिजिटल डेब्यू करने जा रही है। चलिए जानते हैं इसे ओटीटी पर कब और कहां देख सकेंगे?यश राज फिल्म्स की रोमांटिक ड्रामा सैयारा 18 जुलाई 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी, अब ये अपने ओटीटी डेब्यू के लिए तैयार है, इस फिल्म ने न केवल अहान पांडे और अनीत पड्डा को रातों–रात स्टार बना दिया है बल्कि मेकर्स को भी शानदार कमाई से मालामाल कर दिया है, वहीं जो लोग इस फिल्म को थिएटर्स में देखने से चूक गए हैं वे इसे अब घर बैठे एंजाय कर सकते हैं दरअसल सैयारा ओटीटी के दिग्गज प्लेटफार्म नेटफ्लिक्स पर 12 सितंबर 2025 को रिलीज हो रही है।सैयारा ने बाक्स आफिस पर खूब धूम मचाई है, इस फिल्म ने दुनियाभर में 576 करोड़ का कलेक्शन किया है, वहीं इस फिल्म ने भारत में 337.45 करोड़ का कलेक्शन किया है, इसी के साथ ये फिल्म साल की दूसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म का रिकार्ड अपने नाम कर चुकी है।सैयारा कृष (अहान पांडे) और वाणी (अनीत पड्डा) की इंटेंस लव स्टोरी पर बेस्ड है जो अलग–अलग दुनिया से आने के बावजूद प्यार में पड़ जाते हैं, फिल्म में आलम खान, गीता अग्रवाल, राजेश कुमार, वरुण बडोला, शाद रंधावा, सिड मक्कड़, शान ग्रोवर और नील दत्ता ने भी अहम रोल प्ले किया है, यशराज फिल्म्स के बैनर तले निर्मित इस फिल्म का निर्देशन मोहित सूरी ने किया है, बता दें कि मोहित अपनी सैड लेकिन इंटेंस लव स्टोरी वाली फिल्मों के लिए फेमस हैं जिन्हें फैंस ने खूब पसंद किया है, उन्होंने इससे पहले आवारापन, एक विलेन, आशिकी 2, वो लम्हे, राजरू द मिस्टीरियस कंटीन्यूज, मर्डर 2, हमारी अधूरी कहानी, मलंग और कई अन्य फिल्मों का निर्देशन किया है।

कोई माइस्चराइजर या महंगी क्रीम नहीं, बस कैस्टर आयल का इस्तेमाल करें और मुंहासों और दाग–धब्बों से दूर रहें

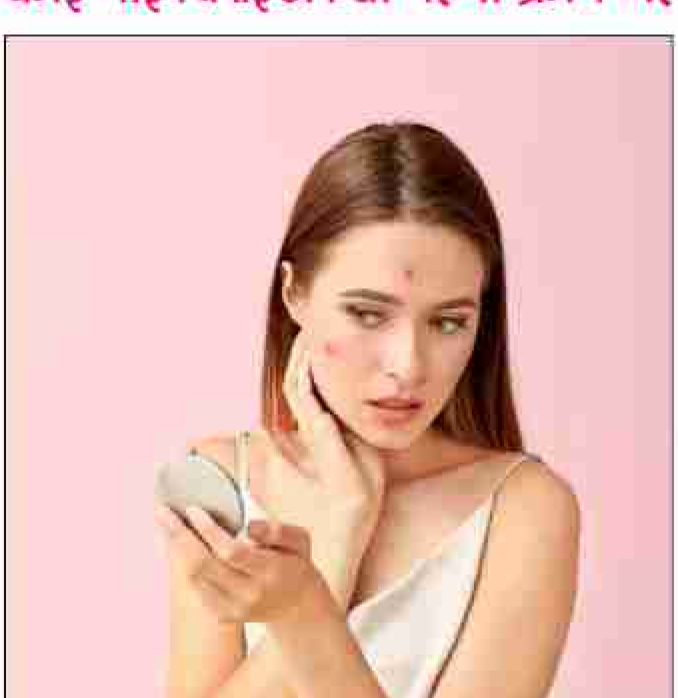

अरंडी के तेल या कैस्टर आयल को तैलीय माना जाता है, हालांकि, एक समय में, कैस्टर आयल ब्यूटी रूटीन का एक अहम हिस्सा था, एक बार सिर पर कैस्टर आयल लगाने के बाद, यह एक हफ्ते तक ऐसे ही रहता है, लोग इस तैलीयपन से छुटकारा पाने के लिए हल्दी का इस्तेमाल करते थे, हालांकि, समय के साथ, दिन बदले हैं और ब्यूटी प्रोडक्ट्स भी बदल गए हैं, कैस्टर आयल की जगह दूसरे हल्के तेलों का इस्तेमाल होने लगा है, हालांकि, अब फिर से, ब्यूटीशियन और त्वचा विशेषज्ञों ने अरंडी के तेल के बेहतरीन गुणों के बारे में जागरूकता पैदा की है और इसका इस्तेमाल फिर से शुरू हो गया है।कुछ लोग ब्यूटी पर बहुत खर्च करते हैं जबकि कुछ लोग कम कीमत में कुछ प्रोडक्ट्स इस्तेमाल करके अच्छे परिणाम देखना चाहते हैं, ऐसे लोगों के लिए कैस्टर आयल सबसे अच्छा उपाय है, प्रसिद्ध योग गुरु डा. हंसा योगेंद्र के अनुसार, कैस्टर आयल का इस्तेमाल करने से न केवल बालों के लिए बल्कि त्वचा के लिए भी कई फायदे हैं, ऐसा कहा जाता है कि अगर कैस्टर आयल का सही तरीके से इस्तेमाल किया जाए, तो यह चेहरे पर मुंहासे, काले धब्बे और झुर्रियों को कम करने के लिए बहुत अच्छा है, आइए जानें इसके लिए कैस्टर आयल का इस्तेमाल कैसे करें।स्किन प्रोब्लेम्सरू ड्राई स्किन, मुंहासे, कम उम्र में झुर्रियां और बेजान त्वचा जैसी कई त्वचा संबंधी समस्याएं होती हैं, इन सबकी सही देखभाल के लिए माइस्चराइजर, सनस्क्रीन और फेस पैक पर हजारों रुपये खर्च किए जाते हैं, लेकिन, इसके अलावा, कुछ प्राकृतिक तत्व भी हैं, इनके इस्तेमाल से त्वचा की समस्याओं को भी कम किया जा सकता है, इसके लिए सबसे पहले आपको तनाव, प्रदूषण और अनहेल्दी खान–पान जैसी चीजों से बचना चाहिए जो त्वचा की समस्याओं का कारण बनती हैं, अगर आप इनसे बचेंगे, तो ज्यादातर समस्याएं कम होने में मदद मिलेगी, महंगे प्रोडक्ट्स इस्तेमाल करने की बजाय प्राकृतिक उत्पादों पर ध्यान दें, अरंडी का तेल इन्हीं में से एक है, अरंडी का तेल तैलीय होता है, लेकिन, अगर आप इसका सही तरीके से इस्तेमाल करेंगे, तो त्वचा की ज्यादातर समस्याएं दूर हो जाएंगी, रूखी त्वचारू अरंडी के तेल में पर्याप्त मात्रा में फैटी एसिड होते हैं, यह त्वचा के रूखेपन को कम करने के लिए सबसे अच्छा है, यह त्वचा को माइस्चराइजर रखता है, इसके अलावा, यह त्वचा को हाइड्रेट और मुलायम बनाता है, अक्सर कुछ लोगों की त्वचा रूखी होती है, अगर ऐसे लोग अरंडी के तेल का इस्तेमाल करें, तो कोई समस्या नहीं होगी, हालांकि, हम जो अरंडी का तेल इस्तेमाल करते हैं, वह भी प्राकृतिक होना चाहिए, मुंहासे कम करने के लिएरू कुछ शोधों के अनुसार, अरंडी का तेल लगाने से बैक्टीरिया और सूजन जैसी समस्याओं से छुटकारा मिल सकता है, इसे सीधे त्वचा पर लगाने से मुंहासे की समस्या कम हो सकती है, हालांकि, इसे लगाने से पहले आपको यह जान लेना चाहिए कि यह तेल आपके लिए फायदेमंद है या नहीं, इसके लिए पैच टेस्ट जरूर करें, फाइनलाइन्सरू अरंडी का तेल एंटीआक्सीडेंट से भरपूर होता है, इसे त्वचा पर लगाने से झुर्रियां कम होती हैं, यह आपकी त्वचा को जवां बनाए रखने में मदद करता है, झुर्रियों का मुख्य कारण रूखी त्वचा है, अरंडी का तेल इस समस्या को नियंत्रित करता है, रूखापन कम होता है, इसलिए झुर्रियां अपने आप नहीं आतीं, त्वचा का रंग निखारेंरू अरंडी का तेल लगाने से त्वचा में निखार आता है, यह काले धब्बे और पिगमेंटेशन कम करता है, यह तेल कोलेजन बढ़ाता है, यह त्वचा की लचीलापन भी बढ़ाता है, इसलिए, त्वचा पर अरंडी का तेल लगाना अच्छा होता है, लेकिन इसका इस्तेमाल कैसे करें, यह जान लें।सीरम की तरह 1 चम्मच अरंडी के तेल में 1 चम्मच गुलाब का तेल और 2 बूंदें लैवेंडर तेल मिलाएं, इसे एक छोटी बोतल में डालें और अच्छी तरह हिलाएं, बस, एक अच्छा सीरम तैयार है, इसे रात में अपने चेहरे पर लगाएं अगली सुबह आपका चेहरा चमक उठेगा।फेस पैक 1 चम्मच अरंडी के तेल में 1 चम्मच मुल्तानी मिट्टी, 1 चम्मच सेब का सिरका और 2 बूंदें टी ट्री आयल मिलाएं, इन सबका पेस्ट बना लें, इस तरह से तैयार फेस पैक को चेहरे पर लगाकर 15 मिनट तक रखें और फिर साफ कर लें, सप्ताह में एक बार ऐसा करने से अच्छे परिणाम मिलेंगे।एंटी–एजिंग क्रीम 1 बड़ा चम्मच अरंडी का तेल, 1 बड़ा चम्मच शिया बटर, 1 बड़ा चम्मच जोजोबा तेल और 3 बूंदें लोबान तेल मिलाएं, सोने से पहले इसे अपने चेहरे पर लगाएं, इससे आपकी त्वचा में नमी आएगी, अगर आप इन सुझावों का नियमित रूप से 7 दिनों तक पालन करेंगे, तो आपको जरूर परिणाम दिखाई देंगे, हालांकि, अरंडी के तेल को सीधे त्वचा पर लगाने के बजाय, इसे किसी भी चीज के साथ मिलाकर लगाने से त्वचा संबंधी समस्याएं हो सकती हैं, इसी तरह, इसे लगाने से पहले पैच टेस्ट करना बेहतर होता है।